लखनऊ

बुधवार, 13 मई, 2026

वर्ष : 11 । अंक: 258

मूल्य : 1 रुपये

पृष्ठ : 8

UPHIN/2014/57034

हिंदी दैनिक

आर्यावर्त क्रांति

"जिस दिन पढ़ाई बोझ नहीं, सपना लगने लगे उस दिन सफलता आपके कदम चूमने लगेगी।"

TODAY WEATHER

DAY 42° Hi

NIGHT 26° Low

संक्षेप

2700 करोड़ की धोखाधड़ी: सुप्रीम कोर्ट में ईडी की याचिका पर होगी सुनवाई, अनूप माझी की अग्रिम जमानत को दी चुनौती

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने मंगलवार को सुप्रीम कोर्ट में एक निजी फर्म के निदेशक को धन शोधन मामले में मिली अग्रिम जमानत को चुनौती देते हुए एक याचिका दायर की है। यह मामला कथित अवैध कोयला खनन और चोरी से जुड़ा हुआ है। न्यायमूर्ति विक्रम नाथ, न्यायमूर्ति संदीप मेहता और न्यायमूर्ति विजय बिश्नोई की पीठ ने अनूप माझी को नोटिस जारी किया है। माझी कोयला खरीद-बिक्री के कारोबार में लगी एक फर्म के निदेशक थे। कोर्ट ने ईडी की याचिका पर माझी से जवाब मांगा है। ईडी ने दिल्ली हाई कोर्ट के पिछले साल जून में दिए गए उस आदेश को चुनौती दी है, जिसमें 2020 में दर्ज धन शोधन मामले में माझी को अग्रिम जमानत दी गई थी। ईडी की ओर से पेश अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल एस.वी. राजू ने अग्रिम जमानत रद्द करने की मांग करते हुए कहा कि माझी 2,700 करोड़ रुपये की धोखाधड़ी के मुख्य सूत्रधार थे, जिसमें राष्ट्रीय संसाधनों की लूट हुई। उन्होंने तर्क दिया कि माझी काफी समय से फरार चल रहे थे। पीठ ने ईडी से पूछा कि माझी सीबीआई की हिरासत में थे, तो ईडी ने उन्हें हिरासत में क्यों नहीं लिया? कानून अधिकारी ने मामले में राष्ट्रीय संसाधनों की लूट का तर्क देते हुए उनके खिलाफ सबूतों का हवाला दिया। पीठ ने पूछा, 'क्या उन्होंने जांच में सहयोग किया?' अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल ने कहा कि अदालत से सुरक्षा मिलने के बाद जांच में कुछ सहयोग हुआ।

सीबीआई करेगी सुवेंदु अधिकारी के पीए चंद्रनाथ रथ हत्याकांड की जांच, अब तक मामले में 3 आरोपी गिरफ्तार

नई दिल्ली। केंद्रीय जांच ब्यूरो ने आज से पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री सुवेंदु अधिकारी के निजी सहायक (पीए) चंद्रनाथ रथ की हत्या की जांच अपने हाथ में ले ली है। इस बात की जानकारी सीबीआई ने बयान जारी करके दी। बयान में कहा गया कि पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री सुवेंदु अधिकारी के पीए चंद्रनाथ रथ की हत्या की जांच सीबीआई को सौंप दी गई है। सीबीआई ने डीआईजी-रैंक के अधिकारी के नेतृत्व में सात सदस्यीय एसआईटी का गठन किया है। इससे पहले पश्चिम बंगाल पुलिस ने इस मामले में सीबीआई जांच की सिफारिश की थी। केंद्रीय एजेंसी ने आज से औपचारिक रूप से राज्य पुलिस से जांच का प्रभार संभाल लिया है। यह घटनाक्रम तब सामने आया जब उत्तर प्रदेश में तीन शार्पशूटरों को गिरफ्तार किया गया। इन तीनों आरोपियों को पश्चिम बंगाल पुलिस की स्पेशल इन्वेस्टिगेशन टीम ने गिरफ्तार किया था। एक अधिकारी ने बताया कि तीनों आरोपियों को पश्चिम बंगाल लाए जाने और उत्तरी 24 परगना जिले की एक अदालत में पेश किए जाने के बाद 13 दिन की पुलिस हिरासत में भेज दिया गया। एक अधिकारी ने बताया, यह एक बड़ी सफलता है। जांच से पता चला कि हमलावर पश्चिम बंगाल के बाहर के थे। टेक्निकल सर्विलांस, डिजिटल ट्रैकिंग और अन्य जानकारियों के आधार पर एसआईटी के सदस्यों को उत्तर प्रदेश और बिहार भेजा गया।

नीट परीक्षा रद्द होने के बाद हंगामा... बार-बार पेपर लीक पर छात्रों का फूटा गुस्सा, सड़क पर उतरे एनएसयूआई

नई दिल्ली, एजेंसी। देश में एक बार फिर नीट परीक्षा को लेकर बड़ा विवाद खड़ा हो गया है। पेपर लीक के आरोपों के बाद परीक्षा रद्द करने की स्थिति बन गई और इसी के साथ छात्रों का गुस्सा सड़कों पर फूट पड़ा। दिल्ली में NSUI के छात्रों ने जोरदार प्रदर्शन किया, और पूरे मामले ने राजनीतिक और शैक्षणिक दोनों स्तर पर हलचल मचा दी। ग्राउंड रिपोर्ट में सामने आया कि छात्रों का भरोसा लगातार टूटता जा रहा है। हर बार परीक्षा से पहले 'सख्त सिस्टम' और 'लीक रोकने के वादे' किए जाते हैं, लेकिन फिर वही कहानी दोहराई जाती है। इसी पर सवाल उठते हुए एंकर ने कहा कि आखिर छात्रों के भविष्य के साथ ये खेल कब तक चलता रहेगा? इस बीच रिपोर्ट्स में दावा किया गया कि पेपर लीक का नेटवर्क कई राज्यों तक फैला हुआ है राजस्थान, यूपी, उत्तराखंड और केरल तक इसके तार जुड़े बताए जा रहे हैं। जांच एजेंसियों ने कुछ लोगों को हिरासत में लिया है और एक बड़े 'सिंडिकेट' की बात सामने आ रही है, जिसमें कोचिंग और पेपर डिस्ट्रीब्यूशन नेटवर्क का भी नाम लिया जा रहा है। कोचिंग सेंटर से जुड़े एक एक्सपर्ट ने भी माना कि जब पेपर लीक होता है तो मेरिट सिस्टम पर सीधा असर पड़ता है और छात्रों का भरोसा पूरी तरह डगमगा जाता है। वहीं कुछ विशेषज्ञों का कहना है कि एक ही परीक्षा सिस्टम में बार-बार खामियां सामने आना व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े करता।

नीट परीक्षा रद्द, सीबीआई करेगी जांच

नीट परीक्षा को एनटीए ने रद्द करके जांच सीबीआई को सौंप दी है। एक आधिकारिक बयान के अनुसार भारत सरकार की मंजूरी से राष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी ने 3 मई 2026 को आयोजित होने वाली NEET (UG) 2026 परीक्षा को रद्द करने और परीक्षा को अलग से अधिसूचित तिथियों पर पुनः आयोजित करने का निर्णय लिया है। राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी - भारत सरकार ने इस मामले को केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) को सौंपने का निर्णय लिया है ताकि आरोपों की व्यापक जांच की जा सके। एनटीए ब्यूरो को पूरा सहयोग देगा और जांच के लिए आवश्यक सभी सामग्री, रिकॉर्ड और सहायता प्रदान करेगा। नए पंजीकरण की आवश्यकता नहीं होगी और कोई अतिरिक्त परीक्षा शुल्क नहीं लिया जाएगा। इसके अलावा, पहले से भुगतान की गई फीस छात्रों को वापस कर दी जाएगी और परीक्षा एनटीए के आंतरिक संसाधनों का उपयोग करके पुनः आयोजित की जाएगी। पुनः आयोजित परीक्षा की तिथियों और पुनः जारी किए गए प्रवेश पत्र की अनुसूची सहित आगे की सूचनाएं एजेंसी के आधिकारिक चैनलों के माध्यम से जारी की जाएंगी।

'प्रधानमंत्री का अमृतकाल, देश के लिए विषकाल बन गया'; नीट परीक्षा रद होने पर राहुल गांधी का केंद्र पर हमला

राष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी (एनटीए) ने तीन मई, 2026 को आयोजित नीट (यूजी) की परीक्षा को रद कर दिया है। भारत सरकार से मंजूरी मिलने के बाद एनटीए ने यह फैसला लिया। मामले पर लोकसभा में विपक्ष के नेता और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने केंद्र सरकार पर हमला किया है। सोशल मीडिया प्लेफॉर्म एक्स पर राहुल गांधी ने लिखा, 'नीट 2026 की परीक्षा रद हो गयी। 22 लाख से ज्यादा छात्रों की मेहनत, त्याग और सपनों को इस भ्रष्ट भाजपाई व्यवस्था ने कुचल दिया। किसी पिता ने कर्ज लिया, किसी मां ने गहने बेचे, लाखों बच्चों ने रात-रात भर जागकर पढ़ाई की और बदले में मिला, पेपर लीक, सरकारी लापरवाही और शिक्षा में संगठित भ्रष्टाचार। उन्होंने आगे लिखा, 'यह सिर्फ नाकामी नहीं, युवाओं के भविष्य के साथ अपराध है। हर बार पेपर माफिया बच निकलते हैं और ईमानदार छात्र सजा भुगतते हैं। अब लाखों छात्र फिर से वही मानसिक तनाव, आर्थिक बोझ और अनिश्चितता झेलेंगे। अगर अपनी तकदीर परिश्रम से नहीं, पैसे और पहुंच से तय होगा, तो फिर शिक्षा का मतलब क्या रह जाएगा? प्रधानमंत्री का तथाकथित अमृतकाल, देश के लिए विषकाल बन गया है।'

जांच में सामने आई गड़बड़

मामला केंद्रीय जांच एजेंसियों को सौंप दिया गया है ताकि वे इसे ठीक से जांच सकें और परीक्षा की प्रक्रिया पर कोई फैसला ले सकें। NTA अपने बयान में यह भी कह रहा है कि वह राष्ट्रीय परीक्षाओं को "fair, secure and credible" यानी निष्पक्ष, सुरक्षित और भरोसेमंद तरीके से कराने के लिए प्रतिबद्ध है।

परीक्षा नहीं करा सकती तो कैसी सरकार?: केजरीवाल

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने मंगलवार को आरोप लगाया कि 3 मई को आयोजित नीट-UG 2026 परीक्षा पेपर लीक की खबरों के बाद रद्द कर दी गई, जिसमें बड़े पैमाने पर मिलीभगत और राजनीतिक संरक्षण का आरोप है। एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए, दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री ने दावा किया कि लाखों छात्रों का भविष्य दांव पर है और सवाल उठाया कि पिछले नीट पेपर लीक मामलों के लिए जिम्मेदार लोगों को सजा क्यों नहीं दी गई। केरावली ने कहा कि यह नीट पेपर पहली बार लीक नहीं हुआ है। मुझे लगता है कि यह 2017 में एक बार, 2021 में एक बार और 2024 में एक बार लीक हुआ था। और अब यह एक बार लीक हो चुका है। अगर पेपर चार बार लीक हो चुका है, तो ऐसे पेपर लीक होना आम बात नहीं है। इसका मतलब है कि इसमें बड़े पैमाने पर मिलीभगत है। इसमें राजनीतिक संरक्षण शामिल है। उन्होंने आगे कहा कि मैं जानना चाहता हूँ, 2017 में परीक्षा का पेपर लीक करने वाले कहाँ हैं?

30,000 करोड़ का कौन सा पारिवारिक विवाद, जिस पर सुप्रीम कोर्ट ने कहा- 'महाभारत छोटा पड़ जाएगा'

नई दिल्ली, एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने कपूर परिवार की 30,000 करोड़ रुपये की संपत्ति को लेकर चल रहे विस्फोटक विवाद की तुलना महाभारत से की। न्यायमूर्ति जे बी परदीवाला ने टिप्पणी करते हुए कहा कि अदालत के समक्ष चल रहे इस विवाद के सामने महाभारत का युद्ध भी छोटा प्रतीत होगा। यह तीखी टिप्पणी तब आई जब सर्वोच्च न्यायालय दिवंगत उद्योगपति संजय कपूर की माता रानी कपूर की एक नई याचिका पर सुनवाई कर रहा था, जिसमें विवादित आरके फैमिली ट्रस्ट से जुड़े कार्यों को रोकने की मांग की गई थी। इस बीच, पूर्व मुख्य न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ के नेतृत्व में मध्यस्थता की कार्यवाही जारी है। यह टिप्पणी न्यायमूर्ति जे बी परदीवाला की अध्यक्षता वाली पीठ ने 12 मई को संजय कपूर की 80 वर्षीय माता रानी कपूर द्वारा आरके फैमिली ट्रस्ट और परिवार के अन्य सदस्यों से जुड़े विवाद में दायर एक नई याचिका की सुनवाई के दौरान की। न्यायपालकों द्वारा फैमिली ट्रस्ट के कामकाज और प्रस्तावित कंपनी बोर्ड की बैठक से जुड़े नए आरोपों को पेश करने के दौरान न्यायमूर्ति परदीवाला ने टिप्पणी की, "हम एक ऐसे क्षेत्र में प्रवेश कर चुके हैं जहां महाभारत भी छोटा लगेगा। हम इसकी जांच करेंगे।

अदालत ने मामले की अगली सुनवाई 14 मई को तय की। यह नया मुकदमा तब सामने आया है जब कुछ ही दिन पहले, 7 मई को, सुप्रीम कोर्ट ने रानी कपूर और दिवंगत व्यवसायी की तीसरी पत्नी प्रिया सचदेव कपूर के बीच बढ़ते जटिल विवाद को सुलझाने में मदद के लिए भारत के पूर्व मुख्य न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ को मध्यस्थ नियुक्त किया था।

ट्रस्ट और बोर्ड की बैठक को लेकर नई याचिका

सर्वोच्च न्यायालय में दायर अपनी नई याचिका में रानी कपूर ने मध्यस्थता की कार्यवाही समाप्त होने तक प्रिया सचदेव कपूर और कुछ अन्य प्रतिवादियों को ₹आरके फैमिली ट्रस्ट₹ के कामकाज में हस्तक्षेप करने से रोकने के निर्देश देने की मांग की है। उन्होंने रघुवंशी इन्वेस्टमेंट प्राइवेट लिमिटेड द्वारा जारी नोटिस के मद्देनजर 18 मई को निर्धारित बोर्ड बैठक पर रोक लगाने की भी मांग की, जिस पर विवादित संपत्ति के एक बड़े हिस्से पर कथित तौर पर नियंत्रण है। याचिका के अनुसार, प्रस्तावित बैठक का उद्देश्य बोर्ड में अतिरिक्त निदेशकों की नियुक्ति करना था। रानी कपूर की ओर से पेश वकील ने अदालत को बताया कि मध्यस्थता की कार्यवाही जारी रहने के बावजूद, इन घटनाक्रमों से परिवार से जुड़ी संस्थाओं के नियंत्रण संतुलन में बदलाव आ सकता है।

क्रूज जहाज पर फैला हंटावायरस, 2 भारतीय क्वारंटीन ; दहशत के बीच भारत में हाई अलर्ट और 165 लैब एक्टिव

नई दिल्ली, एजेंसी। एमवी होडियंस क्रूज जहाज पर खतरनाक हंटावायरस के आउटब्रेक और इससे हुई मौतों के बाद दुनियाभर में दहशत का माहौल है। इस जानलेवा खतरे को देखते हुए कई देश अलर्ट मोड पर आ गए हैं। इस क्रूज पर भारतीय नागरिकों के सवार होने के चलते भारत सरकार ने भी एहतियात के तौर पर अपनी हाई-लेवल बायोसर्विलांस प्रणाली को तुरंत प्रभाव से एक्टिव कर दिया है, ताकि यह खतरनाक वायरस देश में एंट्री न कर सके। स्पेन में स्थित भारतीय दूतावास ने पुष्टि की है कि जहाज पर मौजूद दो भारतीय नागरिकों को स्वास्थ्य सुरक्षा प्रोटोकॉल के तहत नीदरलैंड्स भेजकर क्वारंटीन कर दिया गया है। राहत की बात यह है कि फिलहाल नीदरलैंड्स में क्वारंटीन किए गए दोनों भारतीय नागरिकों में इस

वायरस के कोई लक्षण नजर नहीं आए हैं। हालांकि, संक्रमण के खतरे को पूरी तरह से टालने के लिए उन्हें पूरे 45 दिनों तक कड़ी मेडिकल निगरानी में रखा जाएगा। हंटावायरस मुख्य रूप से संक्रमित चूहों के मल-मूत्र के सीधे संपर्क में आने से इंसानों में फैलता है। आमतौर पर इसका इंसानों से इंसानों में ट्रांसमिशन नहीं होता है, लेकिन वैज्ञानिकों की सबसे बड़ी चिंता इसके 'एंडीज स्ट्रेन' को लेकर है। यह घातक स्ट्रेन एक इंसान से दूसरे इंसान में फैलने की क्षमता रखता है।

उदयनिधि स्टालिन का फिर विवादित बयान, विधानसभा में कहा- बंटवारे वाली सनातन व्यवस्था समाप्त हो

नई दिल्ली, एजेंसी। विजय की अगुवाई में तमिलनाडु में नई सरकार का गठन हो चुका है। करारी हार के बाद DMK को अब विपक्ष में बैठना पड़ रहा है। विधानसभा सत्र के दूसरे दिन आज, मंगलवार को सदन में विपक्ष के नेता उदयनिधि स्टालिन ने एक बार फिर सनातन की आलोचना करते हुए कहा कि जनता को विभाजित करने वाली सनातन व्यवस्था को निश्चित रूप से खत्म कर दिया जाना चाहिए। सत्र के दूसरे दिन विधानसभा में विपक्ष के नेता उदयनिधि स्टालिन ने कहा, "विधानसभा अध्यक्ष जे. सी. टी. प्रभाकर, जो हमेशा मुस्कुराते रहते हैं, पहले ही विधानसभा के लिए चुने जाते रहे हैं। वह विधानसभा की परंपराओं और नियमों से भी पूरी तरह से परिचित हैं।

पहलवान मामला में बृजभूषण की मुश्किलें बढ़ीं ? एसआईटी सदस्य का बयान दर्ज, अब आईओ की गवाही पर टिकी निगाहें

नई दिल्ली, एजेंसी। राउज़ एवेन्यू अदालत ने पूर्व भाजपा सांसद बृज भूषण शरण सिंह के खिलाफ यौन उत्पीड़न मामले में विशेष जांच दल (एसआईटी) के एक सदस्य का बयान दर्ज किया। अदालत ने जांच अधिकारी (आईओ) का बयान दर्ज करने के लिए मामले की सुनवाई 15 और 19 मई को सूचीबद्ध की है। अतिरिक्त मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट (एसीजेएम) अश्वनी पंवार ने पूर्व भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) अध्यक्ष के खिलाफ यौन उत्पीड़न मामले की जांच करने वाली विशेष जांच टीम के सदस्य इंस्पेक्टर संदीप का बयान दर्ज किया। बृज भूषण शरण सिंह और विनोद तोमर पर महिला पहलवान संघ (डब्ल्यूएफआई) के प्रमुख रहते हुए भारत और विदेश में महिला पहलवानों के यौन उत्पीड़न के आरोपों से जुड़े मामले में मुकदमा चल रहा है। महिला पहलवानों ने 2023 में जंतर-मंतर पर विरोध प्रदर्शन किया था। महिला पहलवानों की शिकायत के आधार पर दिल्ली पुलिस ने एफआईआर दर्ज कराई थी।

दिल्ली पुलिस ने जांच के बाद बृज भूषण शरण सिंह और विनोद तोमर के खिलाफ आरोपपत्र दाखिल किया था। अब अभियोजन पक्ष के साक्ष्य लगभग पूरे हो चुके हैं। इस बीच, अदालत के बाहर मीडिया से बात करते हुए बृज भूषण ने गोंडा में आयोजित राष्ट्रीय ओपन रैंकिंग टूर्नामेंट में विनेश फोगाट को अयोग्य घोषित किए जाने के बाद कुश्ती संस्था के फैसलों में अपनी भूमिका से इनकार किया। विनेश फोगाट के आरोपों का खंडन करते हुए बृज भूषण ने दावा किया कि डब्ल्यूएफआई कभी भी किसी खिलाड़ी को टूर्नामेंट में भाग लेने से नहीं रोकता है। पूर्व डब्ल्यूएफआई प्रमुख ने कहा कि मैं फिलहाल उस गड़बड़ी को ठीक करने में लगा हुआ हूं जो इस महिला ने फैलाई है। इसके अलावा, कुश्ती मैच कहां होगा या कहां नहीं होगा, यह मेरे लिए कोई मायने नहीं रखता। यह विषय फिलहाल डब्ल्यूएफआई (भारतीय कुश्ती महासंघ) के अधिकार क्षेत्र में आता है। यह तय करना उन्हीं का काम है कि मैच कहां होंगे, कहां नहीं होंगे, कौन प्रतिस्पर्धा करेगा और कौन नहीं। हालांकि, चूंकि मैं भारतीय कुश्ती महासंघ के अध्यक्ष के रूप में कार्य कर चुका हूं, इसलिए अपने अनुभव के आधार पर मैं कह सकता हूं कि डब्ल्यूएफआई कभी भी किसी खिलाड़ी को प्रतिस्पर्धा करने से नहीं रोकता। ऐसा इसलिए है क्योंकि डब्ल्यूएफआई पूरी तरह से खिलाड़ियों के लिए ही बना है। अगर किसी को प्रतिस्पर्धा करने से रोका गया है, तो इसका कारण जरूर बताया गया होगा।

'दिल्ली की सत्ता की उठापटक के जाल से सावधान रहें', शिवसेना यूबीटी ने सीएम विजय को भविष्य के लिए चेताया

मुंबई, एजेंसी। शिवसेना (यूबीटी) ने कहा है कि तमिलनाडु चुनाव के बाद वहां ऐतिहासिक बदलाव हुआ है। अभिनेता विजय की पार्टी टीवीके ने शानदार जीत हासिल की है। इस जीत ने डीएमके और एआईएडीएमके के वर्षों पुराने वर्चस्व को खत्म कर दिया है। पार्टी के मुखपत्र 'सामना' के संपादकीय में कहा गया कि राज्य में जश्न का माहौल है, लेकिन आगे का रास्ता कठिन है। विजय की सरकार के पास बहुमत कम है। दिल्ली में प्रधानमंत्री मोदी और अमित शाह के प्रभाव के बीच स्थिरता बनाए रखना एक बड़ी चुनौती होगी। विजय ईसाई धर्म से हैं, लेकिन उन्होंने सभी धर्मों का नेता बनने और नागरिकों की सुरक्षा का संकल्प लिया है।

'जितनी बड़ी चोरी, उतना बड़ा इनाम' : बंगाल में नई नियुक्ति पर राहुल गांधी का बीजेपी-ईसी पर हमला, लगाए कई गंभीर आरोप

नई दिल्ली, एजेंसी। पश्चिम बंगाल की नई भाजपा सरकार की ओर से राज्य के मुख्य निर्वाचन अधिकारी (CEO) मनोज कुमार अग्रवाल को मुख्य सचिव नियुक्त किए जाने के बाद सियासी विवाद तेज हो गया है। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने इस नियुक्ति को लेकर चुनाव आयोग और भाजपा पर गंभीर सवाल उठाए हैं। राहुल गांधी ने मंगलवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करते हुए चुनाव आयोग और भाजपा के बीच मिलीभगत का आरोप दोहराया। उन्होंने लिखा, भाजपा-ईसी के चोर बाजार में जितनी बड़ी चोरी, उतना बड़ा इनाम। राहुल गांधी का यह बयान ऐसे समय आया है जब पश्चिम बंगाल में हाल ही में हुए विधानसभा चुनावों को लेकर विपक्ष पहले से ही चुनाव आयोग की निष्पक्षता पर सवाल

उठा रहा है।

मनोज कुमार अग्रवाल की नियुक्ति

दरअसल, सोमवार को पश्चिम बंगाल सरकार ने एक अधिसूचना जारी कर मनोज कुमार अग्रवाल को राज्य का नया मुख्य सचिव नियुक्त किया। अधिसूचना में कहा गया कि राज्यपाल ने मनोज कुमार अग्रवाल, जो 1990 बैच के आईएएस अधिकारी हैं और वर्तमान में पश्चिम बंगाल के मुख्य निर्वाचन अधिकारी व गृह एवं पर्वतीय मामलों (निर्वाचन) विभाग में अतिरिक्त मुख्य सचिव के पद पर कार्यरत थे, को अगले आदेश तक राज्य का मुख्य सचिव नियुक्त करने की मंजूरी दी है।

नियुक्ति को लेकर क्यों हो रहा विवाद?

इस नियुक्ति ने इसलिए भी राजनीतिक महत्व हासिल कर लिया है क्योंकि विधानसभा चुनाव से पहले टीएमसी और कांग्रेस लगातार आरोप लगाते रहे थे कि चुनाव आयोग भाजपा के इशारों पर काम कर रहा है। मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (SIR) को लेकर चुनाव आयोग और तृणमूल कांग्रेस के बीच लंबे समय तक टकराव भी देखने को मिला था। 2026 के पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में भाजपा ने ऐतिहासिक जीत दर्ज की। 294 सदस्यीय विधानसभा में भाजपा ने 206 सीटें जीतकर स्पष्ट बहुमत हासिल किया। पिछली बार भाजपा को 77 सीटें मिली थीं, जबकि तृणमूल कांग्रेस, जिसने पिछले चुनाव में 212 सीटें जीती थीं, इस बार घटकर 80 सीटों पर सिमट गई। कांग्रेस को केवल दो सीटों से संतोष करना पड़ा। इस जीत के साथ ही बंगाल में तृणमूल कांग्रेस के 15 साल के शासन का अंत हो गया। ''चुनाव में जीत के बाद शुभेंदु

श्रीनगर में दो संदिग्ध आतंकी गिरफ्तार, हथियार, गोला-बारूद और लश्कर-ए-तैयबा के पोस्टर बरामद

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर पुलिस ने श्रीनगर के बाबादेम इलाके में नाकाबंदी के दौरान दो संदिग्ध आतंकियों को गिरफ्तार किया। उनके पास से हथियार, गोला-बारूद और लश्कर-ए-तैयबा के पोस्टर बरामद किए गए। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि यूएपीए और शस्त्र अधिनियम की संबंधित धाराओं के तहत एफआईआर दर्ज कर ली गई है और आगे की जांच जारी है।

जम्मू-कश्मीर की क्राइम ब्रांच की कश्मीर स्थित आर्थिक अपराध शाखा ने आरोपी अब्दुल मजीद मीर के खिलाफ विभिन्न विभागों और वित्तीय संस्थानों में सरकारी नौकरी दिलाने के बहाने कई लोगों को ठगने के आरोप में तीन अलग-अलग मामले दर्ज किए हैं। जांच एजेंसी की ओर से की गई प्रारंभिक जांच में पता चला है कि आरोपी ने पीड़ितों को सरकारी नौकरी

दिलाने का झूठा आश्वासन देकर उनसे बड़ी रकम वसूल की थी।

आरोपी ने पीड़ितों को धोखा देने और उनका विश्वास जीतने के लिए सरकारी एजेंसियों और जम्मू-कश्मीर बैंक के फर्जी नियुक्ति पत्र तैयार किए और उन्हें बांटे। आरोपी की ओर से किए गए कृत्य प्रथम दृष्टया रणबीर दंड संहिता (आरपीसी), पूर्ववर्ती भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) और भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की संबंधित धाराओं के तहत दंडनीय अपराध हैं।

जम्मू-कश्मीर पुलिस ने बताया कि आरोपी अब्दुल मजीद मीर के खिलाफ क्राइम ब्रांच पहले भी दो मामले दर्ज कर चुकी है। पुलिस ने आम जनता से अपील करते हुए कहा कि वे आर्थिक धोखाधड़ी करने वालों से सावधान रहें और ऐसी किसी भी घटना की सूचना सीधे एसएसपी ईओडब्ल्यू कश्मीर (क्राइम ब्रांच जम्मू-कश्मीर) को दें।

11 अप्रैल को शुरू हुए 100 दिवसीय नशा मुक्त जम्मू-कश्मीर अभियान के तहत सोपोर पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की। जिले में मादक पदार्थों की तस्करी और दुरुपयोग को रोकने के लिए पुलिस लगातार नशा-विरोधी अभियान, जागरूकता कार्यक्रम और प्रवर्तन अभियान चला रही है। सोपोर पुलिस ने एनडीपीएस अधिनियम के तहत 22 एफआईआर दर्ज की और मादक पदार्थों की तस्करी और संबंधित गतिविधियों में शामिल 23 ड्रग तस्करों को गिरफ्तार किया।

26 घंटे में तीन कत्ल, वही पैटर्न और टारगेट पर सिर्फ अजनबी... साइको किलर गुरप्रीत सिंह एनकाउंटर में ढेर, बोला था- अपने मन का राजा हूं

आर्यावर्त संवाददाता

चंदौली। उत्तर प्रदेश के चंदौली और वाराणसी जिलों में दहशत का पर्याय बना साइको किलर गुरप्रीत सिंह अब इतिहास बन चुका है। सेना का पूर्व जवान, जो 26 घंटे के भीतर तीन बेगुनाहों की जान ले चुका था, सोमवार देर रात पुलिस मुठभेड़ में मारा गया। यह पूरी कहानी किसी रोंगटे खड़े कर देने वाली थ्रिलर फिल्म जैसी है, जहां एक सनकी हत्यारा बिना किसी रंजिश के लोगों की कनपटी पर गोलियां दाग रहा था। सोमवार सुबह चंदौली के एक निजी अस्पताल में तीसरी हत्या करने के बाद गुरप्रीत सिंह को भीड़ ने पकड़कर पुलिस के हवाले किया था।

चंदौली के एसपी आकाश पटेल ने बताया कि पुलिस टीम सोमवार देर रात आरोपी को उन जगहों पर ले गई

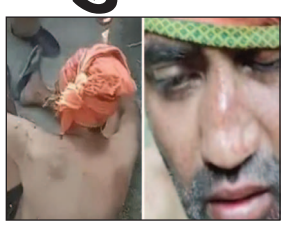

थी, जहां उसने वारदातों को अंजाम दिया था। पुलिस क्राइम सीन रीक्रिएशन की प्रक्रिया पूरी कर रही थी ताकि पुख्ता सबूत जुटाए जा सकें।

इसी दौरान गुरप्रीत ने शातिर चाल चली। उसने एक पुलिस अधिकारी की सरकारी पिस्टल झपट्टा मारकर छीन ली और पुलिस टीम पर फायरिंग करते हुए अंधेरे का फायदा उठाकर भागने लगा। पुलिस ने उसे सरेंडर करने की चेतावनी दी, लेकिन उसने गोलीबारी जारी रखी। जवाबी फायरिंग में पुलिस की दो गोलियां उसे लगीं। गंभीर रूप से घायल गुरप्रीत को तत्काल जिला अस्पताल ले जाया गया, जहां इलाज के दौरान उसने दम तोड़ दिया।

26 घंटे का तांडव: तीन मौतें और एक ही पैटर्न

गुरप्रीत सिंह ने रविवार सुबह से सोमवार सुबह तक मौत का नंगा नाच खेला। उसकी हर हत्या का तरीका बिल्कुल एक जैसा था- शिकार की कनपटी पर सटाकर गोली मारना।

1- पहली हत्या: पैसेंजर ट्रेन में मंगरू का कत्ल

वारदातों का सिलसिला रविवार सुबह करीब 7 बजे शुरू हुआ। गाजीपुर का रहने वाला मंगरू (34) कर्नाटक से काम छोड़कर घर लौट रहा था। वह डीडीयू-ताड़ीघाट पैसेंजर ट्रेन में सवार था। चंदौली के कुचमन स्टेशन के पास गुरप्रीत और मंगरू के बीच किसी बात पर मामूली कहासुनी हुई। गुस्से में पागल गुरप्रीत ने मंगरू की कनपटी पर तमंचा सटाकर गोली मार दी। उसने मंगरू के शव को चलते ट्रेन से नीचे फेंक दिया और ताजपुर गांव के पास ट्रेन धीमी होते ही कूदकर भाग गया।

2- दूसरी हत्याः जम्मू-तवी एक्सप्रेस में दिनेश की मौत

पहली हत्या के बाद गुरप्रीत वहां से करीब 9 किमी पैदल चलकर व्यासनगर गांव पहुंचा। वहां से वह कोलकाता-जम्मू तवी एक्सप्रेस में सवार हो गया। रविवार रात करीब 2 बजे, जब ट्रेन मुगलसराय के पास ब्लॉक हट-बी पर धीमी हुई, तो बिहार का दिनेश साहू (42) जो अपनी पत्नी और परिवार के साथ यात्रा कर रहा था, बाथरूम के पास गया। गुरप्रीत ने वहां भी वही पैटर्न अपनाया और दिनेश की कनपटी पर गोली मारकर उसे मौत के घाट उतार दिया। वारदात के बाद वह फिर से ट्रेन से कूदकर फरार हो गया।

3- तीसरी हत्या: अस्पताल के बेड पर लेटी महिला का कत्ल

सोमवार सुबह करीब 8:30 बजे गुरप्रीत चंदौली के अलीनगर थाना क्षेत्र स्थित जीवक अस्पताल पहुंचा। वह चेहरे पर कपड़ा बांधकर इलाज के बहाने अंदर घुसा। वहां भभुआ (बिहार) की 55 वर्षीय लक्ष्मीना देवी भर्ती थीं। गुरप्रीत सीधे उनके बेड के पास पहुंचा और सोते समय उनकी कनपटी पर पिस्टल रखकर गोली चला दी। इस सनसनीखेज वारदात से अस्पताल में भगदड़ मच गई।

जब एक ऑटो ड्राइवर ने दिखाया साहस

अस्पताल में हत्या के बाद गुरप्रीत फायरिंग करते हुए भागने लगा। तभी बाहर मौजूद एक ऑटो चालक विनोद दुबे ने अदम्य साहस दिखाया। उसने शोर सुनकर भाग रहे हत्यारे को दौड़ाकर पकड़ लिया और उसका हाथ मरोड़कर पिस्टल नीचे गिरा दी। इसके बाद अस्पताल के स्टाफ और स्थानीय भीड़ ने उसे घेर लिया। गुस्साई भीड़ ने उसकी जमकर पिटाई की और उसे गमछे से बांध दिया। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और उसे भीड़ से बचाकर हिरासत में लिया।

'मैं अपने मन का राजा हूं'

पूछताछ के दौरान गुरप्रीत सिंह के बारे में जो तथ्य सामने आए, वे चौंकाने वाले थे। 45 साल का गुरप्रीत मूल रूप से अमृतसर का रहने वाला था और 2021 में सेना से रिटायर हुआ था। वह बिहार में सिक्योरिटी गार्ड की नौकरी के लिए गया था, लेकिन शराब की लत के कारण उसे नौकरी से निकाल दिया गया था। इसके बाद से वह भारी आक्रोश में था। जब पुलिस ने उससे हत्या की वजह पूछी, तो उसने बेखौफ होकर कहा, "मैं अपने मन का राजा हूं। शराब पीने के बाद मैं होश में नहीं रहता। जो मन में आता है करता हूं। एक नहीं, दो-तीन को मारकर आया हूं।" पुलिस के मुताबिक, उसकी किसी भी मृतक से कोई व्यक्तिगत रंजिश नहीं थी। वह सिर्फ अपने अंदर के गुस्से को शांत करने के लिए राह चलते अजनबियों को निशाना बना रहा था।

पुलिस की मुस्तैदी और अंत

एडीजी पीयूष मोर्डिया ने खुद घटनास्थल का मुआयना किया था। पुलिस के लिए सबसे बड़ी चुनौती यह थी कि ट्रेन और अस्पताल जैसी अलग-अलग जगहों पर हो रही हत्याओं को कैसे जोड़ा जाए। लेकिन 'कनपटी पर गोली' मारने के तरीके और चश्मदीदों द्वारा बताए गए 'भगवा गमछा' और '6 फीट लंबे कद' के हुलिए ने पुलिस का शक यकीन में बदल दिया। अंततः, 26 घंटे में तीन निर्दोषों का खून बहाने वाले इस साइको किलर का अंत उसी पुलिस की गोली से हुआ, जिसकी पिस्टल छीनकर वह भागने की कोशिश कर रहा था।

डूब रहे तीन बच्चों को बचाने वाले 13 वर्षीय राजकुमार को मिला बाल वीरता पुरस्कार

आर्यावर्त संवाददाता

सुलतानपुर। जनपद के गोसाईंगंज थाना क्षेत्र के अर्जुनपुर बेलहरी गांव में गोमती नदी में डूब रहे तीन किशोरों की जान बचाने वाले 13 वर्षीय बालक राजकुमार निषाद को मंगलवार को जिला प्रशासन और पुलिस विभाग ने सम्मानित किया। कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित समारोह में जिलाधिकारी इन्द्रजीत सिंह एवं पुलिस अधीक्षक चारू निगम ने राजकुमार को 'बाल वीरता पुरस्कार' प्रदान कर उसके साहस और सूझबूझ की सराहना की।

जानकारी के अनुसार 5 मई 2026 को गोसाईंगंज थाना क्षेत्र के अर्जुनपुर बेलहरी गांव के तीन बच्चे गोमती नदी किनारे मछली पकड़ने गए थे। इसी दौरान नहाते समय तीनों गहरे पानी में चले गए और डूबने लगे। पास में भैंस चरा रहे 13 वर्षीय राजकुमार पुत्र रामलाल ने बच्चों को संकट में देखा तो बिना अपनी जान की परवाह किए नदी में छलांग लगा दी। राजकुमार ने अदम्य साहस का परिचय देते हुए एक-एक कर तीनों बच्चों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया। घटना के बाद पूरे क्षेत्र में उसकी बहादुरी की चर्चा होने लगी। मंगलवार को कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित सम्मान समारोह में अधिकारियों ने राजकुमार के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए उसे प्रशस्ति पत्र और स्मृति चिन्ह भेंट किया। इस अवसर पर प्रशासन और पुलिस विभाग के कई वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे।

एसपी चारु निगम ने हनुमान मंदिर में टेका मत्था एवं की पूजा पाठ

आर्यावर्त संवाददाता

लंभुआ/सुल्तानपुर। पुलिस अधीक्षक सुल्तानपुर चारु निगम ने मंगलवार को अचानक लंभुआ पहुंचीं। उन्होंने कोतवाली लंभुआ का औचक निरीक्षण कर अभिलेखों की जांच की और लंबित मामलों के शीघ्र निस्तारण के निर्देश दिए।

निरीक्षण के बाद एसपी ने लंभुआ स्थित प्राचीन हनुमान मंदिर में वैदिक मंत्रोच्चार के साथ पूजा-अर्चना की और हनुमान जी का दर्शन किया। इस दौरान मंदिर परिसर में आयोजित मंगलवार के भंडारे में प्रसाद वितरण कर भंडारे का शुभारंभ भी किया। एसपी ने भंडारे में प्रसाद ग्रहण कर आमजन से संवाद किया। उन्होंने कहा कि पुलिस जनता की सेवा के लिए तत्पर है। कानून व्यवस्था बनाए रखने में लोगों का सहयोग जरूरी है। इस मौके पर एसडीएम प्रीति जैन, सीओ लंभुआ, कोतवाल लंभुआ सहित पुलिस बल व बड़ी संख्या में श्रद्धालु मौजूद रहे।

यूपी में छात्रों के लिए बड़ी राहत! 12वीं में इंप्रूवमेंट परीक्षा का मिलेगा मौका, यूपी बोर्ड ने भेजा प्रस्ताव

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

प्रयागराज। यूपी बोर्ड वर्ष 2026 की हाईस्कूल व इंटरमीडिट परीक्षा का परिणाम 23 अप्रैल को घोषित करने के बाद अब इंप्रूवमेंट व कंपार्टमेंट परीक्षा के लिए आवेदन लेने की तैयारी में है। इंप्रूवमेंट परीक्षा अभी केवल हाईस्कूल स्तर पर है, लेकिन यूपी बोर्ड इसे इंटरमीडिएट स्तर पर भी लागू करने की तैयारी में है।

इसके लिए प्रस्ताव शिक्षा निदेशक के माध्यम से शासन को भेजा गया है। मंजूरी मिलते ही इसे इस वर्ष से लागू किए जाने की योजना है। इस तरह हाईस्कूल के साथ-साथ इंटरमीडिएट के अर्ह परीक्षार्थी भी आवेदन कर अंक वृद्धि व उत्तीर्ण होने का अवसर पा सकेंगे।

वर्तमान व्यवस्था के अनुसार केवल हाईस्कूल की परीक्षा में एक विषय में अनुत्तीर्ण परीक्षार्थी ही आवेदन कर संबंधित विषय की इंप्रूवमेंट परीक्षा में सम्मलित हो सकते हैं। इसके अलावा कंपार्टमेंट परीक्षा के लिए अनुत्तीर्ण दो विषयों में से किसी एक में आवेदन कर सम्मलित हो सकते हैं।

इसी आधार पर यूपी बोर्ड सचिव भगवती सिंह ने इंटरमीडिएट परीक्षा में भी इंप्रूवमेंट परीक्षा का अवसर देने के लिए प्रस्ताव भेजा है। इसके अलावा कंपार्टमेंट परीक्षा में सम्मिलित होने का प्रविधान पहले से है।

बोर्ड को इंटरमीडिएट की इंप्रूवमेंट परीक्षा के प्रस्ताव को मंजूरी मिलने की प्रतीक्षा है। इसी कारण अभी इंप्रूवमेंट व कंपार्टमेंट परीक्षा के आयोजन की समयसारिणी जारी नहीं की गई है।

बिना चीरे की एंडोस्कोपिक डीसीआर सर्जरी सफल, मरीज को मिली राहत

सुल्तानपुर। स्वशासी मेडिल कालेज में आधुनिक एंडोस्कोपिक तकनीक से एंडोस्कोपिक डीसीआर सर्जरी का सफल ऑपरेशन किया गया। इस सर्जरी के माध्यम से आजमगढ़ निवासी 43 वर्षीय मरीज लालमणि यादव को लंबे समय से चली आ रही आंख की समस्या से राहत मिली है।

मरीज लालमणि यादव निवासी अहिरौला जनपद आजमगढ़ पिछले लगभग तीन महीनों से दाहिनी आंख से लगातार पानी आने और सूजन की समस्या से परेशान थे। उपचार के लिए कई अस्पतालों के चक्कर लगाने के बावजूद उन्हें राहत नहीं मिल सकी। बाद में उन्होंने स्वशासी मेडिकल कालेज सुल्तानपुर के नेत्र रोग विभाग में परामर्श लिया। जांच के दौरान चिकित्सकों ने मरीज की आंख की आंसू की नली में रुकावट पाई, जिसके बाद उन्हें ईएनटी विभाग में रेफर किया गया। ईएनटी विभाग में परीक्षण के बाद मरीज की एंडोस्कोपिक डीसीआर सर्जरी की योजना बनाई गई।

न्यायालय के आदेश पर ग्राम प्रधान सिंघनी के खिलाफ एफआईआर दर्ज

आर्यावर्त संवाददाता

सुलतानपुर। बल्दीराय थाना क्षेत्र के सिंघनी गांव में ग्राम पंचायत के विकास कार्यों में बड़े घोटाले का मामला सामने आया है। कोर्ट के आदेश पर ग्राम प्रधान विकास यादव समेत तीन लोगों के खिलाफ सरकारी धन के गबन, फर्जी दस्तावेज तैयार करने और मनरेगा भुगतान में धांधली के आरोप में मुकदमा दर्ज किया गया है। मामले के सामने आते ही पंचायत महकमे और क्षेत्र में हड़कंप मच गया है। दर्ज एफआईआर के मुताबिक ग्राम प्रधान विकास यादव पर आरोप है कि उन्होंने गलत जन्मतिथि दर्ज कराकर पंचायत चुनाव लड़ा। शिकायतकर्ता का आरोप है कि वास्तविक उम्र 21 वर्ष से कम होने के बावजूद फर्जी दस्तावेजों के सहारे चुनाव लड़कर प्रधान पद हासिल किया गया। इतना ही नहीं, प्रधान पर अपने नाबालिग भाइयों सुभाष यादव और अभिषेक यादव के नाम पर फर्जी जॉब कार्ड बनवाकर मनरेगा मजदूरी का भुगतान कराने का भी आरोप है। आरोप है कि बिना कार्य किए हजारों रुपये सरकारी खाते से निकाल लिए गए।शिकायत में पंचायत के विकास कार्यों में भी बड़े पैमाने पर वित्तीय अनियमितताओं का जिक्र किया गया है। आरोप है कि आरसीसी सड़क और नाली निर्माण में मानकों की अनदेखी कर लाखों रुपये का भुगतान करा लिया गया। वहीं आंगनबाड़ी केंद्र और शौचालय मरम्मत के नाम पर भी सरकारी धन के गबन का आरोप लगाया गया है। एफआईआर के अनुसार शौचालय मरम्मत, सड़क निर्माण और अन्य कार्यों में करीब लाखों रुपये का सरकारी धन हड़प लिया गया। शिकायतकर्ता ने पहले स्थानीय थाने और पुलिस अधीक्षक से शिकायत की थी, लेकिन कार्रवाई न होने पर अदालत का दरवाजा खटखटाया। कोर्ट के आदेश के बाद पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। बल्दीराय पुलिस का कहना है कि मामले की जांच की जा रही है। दस्तावेजों और भुगतान रिकॉर्ड की पड़ताल के बाद आगे की विधिक कार्रवाई की जाएगी।

एसपी चारू निगम ने ऑनलाइन 'स्व-गणना' कर लोगों को किया जागरूक

सुल्तानपुर। भारत सरकार द्वारा संचालित 'जनगणना-2027' अभियान के तहत मंगलवार को पुलिस कार्यालय में विशेष जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य आमजन को डिजिटल माध्यम से स्व-गणना के लिए प्रेरित करना रहा।

इस अभियान का शुभारंभ पूर्व में जिलाधिकारी द्वारा किया जा चुका है। इसी क्रम में पुलिस विभाग ने भी जनसहभागिता बढ़ाने के लिए पहल करते हुए लोगों को ऑनलाइन प्रक्रिया की जानकारी दी। कार्यक्रम में एडीएम व तकनीकी टीम की मौजूदगी में पुलिस अधीक्षक चारू निगम तथा अपर पुलिस अधीक्षक ने आधिकारिक पोर्टल पर लॉगिन कर स्वयं अपना विवरण दर्ज किया। अधिकारियों ने बताया कि 'स्व-गणना' प्रक्रिया पूरी तरह सुरक्षित और समय बचाने वाली है। नागरिक अपने मोबाइल नंबर के माध्यम से ओटीपी सत्यापन कर पोर्टल पर लॉगिन कर सकते हैं।

'मैं बदमाश सुंदर भाटी का भतीजा हूं, जिसमें दम है...' यूपी पुलिस के सिपाही का वीडियो वायरल

आर्यावर्त संवाददाता

बागपत। उत्तर प्रदेश के बागपत जिले में तैनात एक सिपाही का पिस्टल लहराते हुए धमकी देने का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। इस वीडियो ने पुलिस महकमे में हड़कंप मचा दिया है, वीडियो को देखने के बाद आम लोगों के बीच भय और नाराजगी, दोनों दिख रही है। हैरानी की बात यह है कि वीडियो में सिपाही कथित तौर पर शराब के नशे में भी नजर आ रहा है, जिससे पूरे मामले की गंभीरता और बढ़ गई है।

वायरल वीडियो में वर्दीधारी सिपाही हाथ में पिस्टल लेकर उसे लोड करता हुआ दिखाई दे रहा है और फिल्मी अंदाज में खुलेआम धमकी देता नजर आता है। वीडियो में वह खुद को कुख्यात बदमाश सुंदर भाटी का भतीजा बताते हुए कहता है, मैं हूं सुंदर भाटी का भतीजा, जिसमें दम हो और जो करना है कर लो। इस दौरान उसकी भाषा, हाव-भाव और लड़खड़ाती गतिविधियां नशे की ओर इशारा कर रही हैं।

जानकारी के अनुसार, वीडियो में दिखाई दे रहा सिपाही दीपक भाटी वर्तमान में बागपत के थाना चांदीनगर क्षेत्र में तैनात है। हालांकि, यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि वीडियो कब और कहां का है, लेकिन इसके वायरल होते ही पुलिस प्रशासन अलर्ट हो गया है।

वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों ने मामले को गंभीरता से लेते हुए जांच के आदेश दे दिए हैं। अधिकारियों का कहना है कि वीडियो की सत्यता, समय और परिस्थितियों की बारीकी से जांच की जा रही है। साथ ही, सिपाही के नशे में होने के पहलू को भी जांच में शामिल किया गया है।

पुलिस का कहना है कि यदि जांच में सिपाही दोषी पाया जाता है, तो उसके खिलाफ कड़ी विभागीय कार्रवाई की जाएगी। इस घटना ने एक बार फिर पुलिस की छवि और अनुशासन पर सवाल खड़े कर दिए हैं। अब देखना होगा कि जांच के बाद क्या सख्त कदम उठाए जाते हैं, जिससे आम जनता का भरोसा कानून व्यवस्था पर बना रहे।

वाराणसी सहति पूर्वांचल में बढ़ने लगा तापमान, नौतपा दो सप्ताह बाद कराएगा आंच की बारशि

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

वाराणसी। पूर्वांचल सहित वाराणसी में मौसम का रुख अब तल्खी की ओर हो चला है। माना जा रहा है कि आने वाले दिनों में मौसम का रुख बदलेगा और गर्मी की ओर मौसम होने के साथ ही दिन का तापमान लोगों को दुश्वारी देगा। मौसम वभिाग के अनुमानों के अनुसार इस पूरे सप्ताह बादलों की आवाजाही का रुख तो रहेगा लेकनि तापमान में अधकिता भी दर्ज की जाएगी। माना जा रहा है कि आने वाले दिनों में मौसम का रुख गर्मी की ओर ही होना है। क्योंकि नौतपा भी अब दो सप्ताह के भीतर असर करेगा।

मंगलवार की सुबह वातावरण में गर्मी का असर बना रहा, हालांकि सुबह कुछ ठंडक का असर भी रहा और सुबह दस बजे के बाद सूरज का ताप प्रभावी होने लगा। सूरज का ताप

चढ़ने के साथ ही गर्म हवाओं का असर भी दोपहर में वातावरण में नजर आने लगा। दोपहर में कुछ लू के हालात भी बनने की उम्मीद है। जबकि लोकल हीटगि होने पर बादलों की सक्रयिता का भी अनुमान है। बादलों की सक्रयिता भी होने का अनुमान है। क्योंकि आर्द्रता में भी इधर बीच कुछ इजाफा हुआ है।

गर्मी बढ़ने पर बादलों की सक्रियता भी तय है। फिलहाल पश्चिम में बादलों की सक्रियता शुरू हुई है। इसका असर पूर्वांचल तक भी हो सकता है। माना जा रहा है कि लोकल हीटिग में इजाफा शुरू हुआ है तो आने वाले कुछ घंटों में बादलों की सक्रियता भी हो सकती है। इसकी वजह से तापमान में कमी का दौर भी होगा लेकनि आने वाले दिनों में बादलों की सक्रियता के बीच तापमान में इजाफा भी तय है।

बीते चौबीस घंटों में अधकितम तापमान 38.8°C दर्ज कयिा गया जो सामान्य से 1.9 डग्रिी कम रहा। न्यूनतम तापमान 25.4°C दर्ज कयिा गया जो सामान्य से 0.1 डग्रिी कम रहा। न्यूनतम आर्द्रता 30% दर्ज कयिा जबकि अधकितम 56% दर्ज कयिा गया। माना जा रहा है कि अब आने वाले दिनों में तापमान की अधकिता ही दर्ज की जानी है। आने वाले दिनों में वातावरण में बदलाव का ही दौर रहेगा जबकि आने वाले दो सप्ताह के दौरान तापमान में इजाफा होना है। नौतपा भी 25 जून से वातावरण में ताप बढ़ाएगा। इसके साथ ही अगले 40 दनिों के भीतर मानसून भी पूर्वांचल में दस्तक दे देगा।

आरटीओ का औचक निरीक्षण, स्कूल वाहनों पर बड़ी कार्रवाई

सुल्तानपुर। शासन के निर्देश पर आरटीओ (प्रशासन) अयोध्या ऋतु सिंह ने एआरटीओ कार्यालय सुल्तानपुर का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान एआरटीओ प्रशासन अलका शुक्ला सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

निरीक्षण के बाद करीब 50 स्कूल वाहन स्वामियों और प्रबंधन के साथ बैठक कर सभी वाहनों के फिटनेस, पंजीयन, पीयूसी और परमिट जैसे प्रपत्र तत्काल वैध कराने के कड़े निर्देश दिए गए। अधिकारियों ने साफ कहा कि जिन वाहनों के दस्तावेज अधूरे हैं, उन्हें 24 घंटे के भीतर पूरा कर स्कूल यान परमिट हेतु आवेदन करना होगा, अन्यथा सख्त कार्रवाई की जाएगी। अधिकारियों के अनुसार अब तक 434 नोटिस जारी किए जा चुके हैं, जबकि 174 वाहनों के पंजीयन निलंबित किए गए हैं। बिना फिटनेस और परमिट वाले वाहनों पर लगातार चालान और सीज की कार्रवाई जारी है।

नर्सिंग विभाग में धूमधाम से मनाया गया अन्तर्राष्ट्रीय नर्सेज दिवस

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

सुल्तानपुर। केएनआईएमटी के नर्सिंग विभाग में अंतर्राष्ट्रीय नर्सेज दिवस बड़े ही धूमधाम से मनाया गया। कार्यक्रम की शुरूआत निदेशक डा. महेश प्रसाद और प्रशासक राजेश कुमार दूबे द्वारा मां सरस्वती, फ्लोरेंस नाइटिंगल और संस्थान के संस्थापक बाबू केदार नाथ सिंह की प्रतिमा पर दीप प्रज्ज्वलित एवं माल्यार्पण कर की गयी। शिव स्तुती जीएनएम द्वितीय वर्ष की छात्रा ईशी पाण्डेय ने प्रस्तुत किया।

कमला नेहरू इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट एण्ड टेक्नोलॉजी, फरीदीपुर कैंपस में मंगलवार को अन्तर्राष्ट्रीय नर्सेज दिवस मनाया गया। डा. महेश प्रसाद ने कहा कि हेल्थ केयर सिस्टम में नर्स की भूमिका अहम होती है। नर्स निस्वार्थ भाव से सेवा करती हैं। नर्स मरीजों की सेवा एक 'मां' के रुप में करती है। उन्होंने कहा कि एक नर्स डेडिकेशन, प्राइजलेस और एफर्टलेस के साथ काम करती हैं जिसे और कोई नहीं कर सकता है। इसके बाद नर्सिंग संकाय के प्रधायापिकाओं एवं छात्राओं द्वारा 'हमारी नर्सें, हमारा भविष्य' थीम को ध्यान में रखते हुए कार्यक्रम को आगे बढ़ाया गया। कार्यक्रम का संचालन अर्चना यादव ने किया। नर्सिंग सप्ताह में आयोजित पोस्टर मेकिंग एण्ड प्रेजेंटेशन प्रतियोगिता में जीएनएम तृतीय वर्ष की आर्या मौर्या प्रथम रहीं। वहीं फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता में जीएनएम तृतीय वर्ष की मानषी को प्रथम स्थान प्राप्त हुआ। मेंहदी प्रतियोगिता में जीएनएम प्रथम वर्ष की अनुराधा को प्रथम स्थान मिला। रंगोली प्रतियोगिता में जीएनएम तृतीय वर्ष की शिवानी गुप्ता अव्वल रहीं। प्रतियोगिता में प्रतिभाग करने वाली छात्राओं को डायरेक्टर डा. महेश प्रसाद व प्रशासक राजेश दूबे ने स्मृति चिन्ह तथा प्रमाण-पत्र देकर सम्मानित किया गया। इस कार्यक्रम के आयोजन पर निदेशक डा. महेश प्रसाद और प्रशासक राजेश दूबे द्वारा कार्यक्रम के कुशल आयोजन पर धन्यवाद ज्ञापित किया। इस मौके पर प्रशिक्षिकाएं आंचल मिश्रा, चन्द्रावती दूबे, सुरभी सिंह, प्रांजलि देवी, खुशबू, हीना परवीन, आर्या त्रिपाठी, दिव्यांशी शुक्ला, ऋचा सिंह, निधि जायसवाल, विभा यादव, मृदुला पांडेय, तारा देवी, आदि मौजूद रही।

2027 विधानसभा चुनाव की तैयारी में जुटी भाजपा

हर बूथ पर जीत सुनिश्चित करने के लक्ष्य के साथ करें काम: पंकज चौधरी

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। भारतीय जनता पार्टी ने उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव 2027 की तैयारियों को लेकर संगठनात्मक स्तर पर रणनीति तेज कर दी है। मंगलवार को भाजपा प्रदेश मुख्यालय में प्रदेश अध्यक्ष एवं केंद्रीय वित्त राज्यमंत्री पंकज चौधरी की अध्यक्षता तथा प्रदेश महामंत्री (संगठन) धर्मपाल सिंह की उपस्थिति में प्रदेश पदाधिकारियों, क्षेत्रीय अध्यक्षों, जिलाध्यक्षों और जिला प्रभारियों की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिला, मंडल, शक्तिकेंद्र और बूथ समितियों के सत्यापन कार्य की समीक्षा के साथ आगामी संगठनात्मक कार्ययोजना पर विस्तार से चर्चा की गई।बैठक का संचालन प्रदेश महामंत्री गोविंद नारायण शुक्ला ने किया। इस दौरान संगठन की जमीनी मजबूती, बूथ स्तर पर कार्यकर्ताओं की सक्रियता और आगामी चुनावी रणनीति को लेकर विस्तृत मंथन हुआ।बैठक को संबोधित करते हुए पंकज चौधरी ने कहा कि विधानसभा चुनाव 2027 में प्रत्येक बूथ पर निश्चित विजय का लक्ष्य लेकर योजनाबद्ध तरीके से कार्य करना होगा। उन्होंने कार्यकर्ताओं से आह्वान किया कि जिन बूथों पर भाजपा को पिछले चुनावों में सफलता मिली थी, वहां जीत के अंतर को और अधिक बढ़ाने का प्रयास किया जाए, जबकि अपेक्षाकृत कमजोर बूथों पर विशेष रणनीति और परिश्रम के साथ संगठन को मजबूत किया जाए। उन्होंने कहा कि भाजपा को वर्ष 2017 से भी बड़ी जीत 2027 में हासिल करने के संकल्प के साथ आगे बढ़ना है। इसके लिए बूथ स्तर तक संगठन को और अधिक प्रभावी बनाने, प्रत्येक कार्यकर्ता की क्षमता का उपयोग करने, सामूहिक समन्वय और मजबूत रणनीति के साथ काम करने की आवश्यकता है।

प्रदेश भाजपा अध्यक्ष ने विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा कि मुद्दाविहीन विपक्ष के पास न नीति है, न कार्यक्रम और न ही जनहित के लिए कोई स्पष्ट विजन। उन्होंने आरोप लगाया कि विपक्ष केवल भ्रम फैलाने और झूठ के सहारे राजनीति करने का प्रयास कर रहा है। ऐसे में भाजपा कार्यकर्ताओं की जिम्मेदारी है कि वे घर-घर जाकर विपक्ष के कथित झूठ का पर्दाफाश करें और सरकार की उपलब्धियों को जनता तक पहुंचाएं।बैठक में प्रदेश महामंत्री (संगठन) धर्मपाल सिंह ने जिला समिति, मंडल समिति, शक्तिकेंद्र और बूथ समितियों के सत्यापन कार्य की समीक्षा करते हुए नियमित बैठकों पर विशेष जोर दिया। उन्होंने निर्देश दिया कि जिला समितियों की बैठकें प्रत्येक माह की 1 से 15 तारीख के बीच आयोजित की जाएं, जबकि माह के प्रथम सप्ताह में मंडल समिति, तृतीय सप्ताह में शक्तिकेंद्र तथा अंतिम सप्ताह में 'मन की बात' कार्यक्रम के साथ बूथ समितियों की बैठकें सुनिश्चित की जाएं।

लाटूश रोड व्यापार मंडल की नई कार्यकारिणी का गठन: सतीश अग्रवाल फिर बने अध्यक्ष, व्यापारियों की एकजुटता पर जोर

लखनऊ। लाटूश रोड व्यापार मंडल की आम सभा की बैठक मंगलवार को व्यापार भवन, गौतम बुद्ध मार्ग स्थित व्यापार मंडल कार्यालय में सम्पन्न हुई। बैठक की अध्यक्षता सतीश कुमार अग्रवाल ने की, जिसमें सर्वसम्मति से नई कार्यकारिणी का गठन किया गया। इस दौरान संगठन की मजबूती, व्यापारियों की समस्याओं के समाधान और व्यापारिक हितों की रक्षा को लेकर व्यापक चर्चा हुई।बैठक में सर्वसम्मति से सतीश अग्रवाल को अध्यक्ष, नसीम अंसारी को कार्यवाहक अध्यक्ष तथा अतुल त्रिपाठी को महामंत्री चुना गया। इसके अलावा शाकिर अली, अदनान अली और जगजीत सिंह जग्गा को वरिष्ठ उपाध्यक्ष की जिम्मेदारी सौंपी गई। मोहम्मद मुस्तकीम और गुलशन अरोड़ा को उपाध्यक्ष बनाया गया। जबकि राजा मक्कड़ को कोषाध्यक्ष और नौशाद अहमद को संयुक्त सचिव नियुक्त किया गया।

असम में राजग सरकार के शपथ ग्रहण समारोह में शामिल हुए मुख्यमंत्री योगी, हिमंता बिस्वा सरमा को दी शुभकामनाएं

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ मंगलवार को असम पहुंचे, जहां उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की उपस्थिति में आयोजित नवनिर्वाचित राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सरकार के शपथ ग्रहण समारोह में सहभागिता की। इस अवसर पर हिमंता बिस्वा सरमा ने मुख्यमंत्री पद की शपथ ग्रहण की।समारोह में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने नवगठित सरकार के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा तथा मंत्रिमंडल के नवनियुक्त सदस्यों को शुभकामनाएं देते हुए उनके सफल, जनकल्याणकारी और उज्ज्वल कार्यकाल की कामना की। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि नई सरकार असम के विकास, सुशासन और जनहित के कार्यों को नई गति प्रदान करेगी।इससे पहले गुवाहाटी एयरपोर्ट पहुंचने पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का पारंपरिक असमिया शैली में भव्य स्वागत किया गया। स्थानीय कलाकारों ने वाद्ययंत्रों और पारंपरिक लोकनृत्य के माध्यम से उनका अभिनंदन किया। पारंपरिक परिधान में उपस्थित महिलाओं ने भी मुख्यमंत्री का स्वागत करते हुए सम्मान प्रकट किया।एयरपोर्ट परिसर में मौजूद बड़ी संख्या में लोगों ने मुख्यमंत्री योगी का जयघोष के साथ स्वागत किया। इस दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने हाथ जोड़कर लोगों का अभिवादन स्वीकार किया और उनके स्नेह एवं स्वागत के प्रति आभार व्यक्त किया। मुख्यमंत्री के आगमन को लेकर समर्थकों और स्थानीय लोगों में विशेष उत्साह देखने को मिला।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मौजूदगी में आयोजित शपथ ग्रहण समारोह राजनीतिक दृष्टि से भी महत्वपूर्ण माना जा रहा है, जिसमें विभिन्न राज्यों के वरिष्ठ नेताओं की उपस्थिति रही।

पीजीआई क्षेत्र में दर्दनाक सड़क हादसा : ट्रैवलर की टक्कर से बुजुर्ग की मौत, चालक फरार

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। राजधानी के पीजीआई थाना क्षेत्र में रविवार देर रात हुए एक दर्दनाक सड़क हादसे में 74 वर्षीय बुजुर्ग की उपचार के दौरान मौत हो गई। हरिकंश गढ़ी चौकी के सामने कट के पास तेज रफ्तार ट्रैवलर वाहन ने मोटरसाइकिल सवार बुजुर्ग को पीछे से टक्कर मार दी, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना के बाद ट्रैवलर चालक वाहन छोड़कर मौके से फरार हो गया। पुलिस ने दोनों वाहनों को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है।पुलिस के अनुसार, घटना 11 मई 2026 की रात करीब 9:15 बजे थाना पीजीआई क्षेत्र के हरिकंश गढ़ी चौकी के सामने कट के पास हुई। स्थानीय लोगों ने सड़क दुर्घटना की सूचना पुलिस को दी, जिसके बाद पुलिस टीम तत्काल मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण किया।मौके पर घायल व्यक्ति की पहचान वासुदेव यादव पुत्र स्वर्गीय महादेव यादव, निवासी बाबू खेड़ा, थाना पीजीआई, लखनऊ के रूप में हुई। वासुदेव यादव मोटरसाइकिल संख्या यूपी32एलआर3589 से पीजीआई से मोहनलालगंज की ओर जा रहे थे। इसी दौरान पीछे से आ रही ट्रैवलर वाहन संख्या यूपी33बीटी3279 ने उनकी बाइक में जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में वह गंभीर रूप से घायल हो गए।घटना के तुरंत बाद पुलिस ने स्थानीय लोगों की मदद से एम्बुलेंस बुलाकर घायल बुजुर्ग को उपचार के लिए ट्रामा सेंटर-2 पीजीआई भेजा। पुलिस ने घायल के मोबाइल फोन के माध्यम से उनकी पुत्री रेनू यादव को घटना की सूचना दी। परिजनों की मौजूदगी में उपचार के दौरान वासुदेव यादव ने दम तोड़ दिया, जिससे परिवार में कोहराम मच गया।हादसे के बाद ट्रैवलर चालक मौके से फरार हो गया। पुलिस ने दुर्घटनाग्रस्त दोनों वाहनों को कब्जे में लेकर सुरक्षित स्थान पर खड़ा करा दिया है। शव को कब्जे में लेकर पंचायतनामा भरने के बाद पोस्टमार्टम की कार्यवाही शुरू कर दी गई है।पुलिस का कहना है कि फरार ट्रैवलर चालक की तलाश के लिए प्रयास तेज कर दिए गए हैं। आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है और मामले में आवश्यक विधिक कार्यवाही नियमानुसार की जा रही है। घटना के बाद क्षेत्र में शांति व्यवस्था सामान्य बनी हुई है।

रामलीला मैदानों के विकास पर संस्कृति विभाग की बड़ी पहल, छह जनपदों में होंगे सौंदर्यीकरण कार्य

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश सरकार ने वित्तीय वर्ष 2026-27 में प्रदेश के विभिन्न जनपदों में सार्वजनिक रामलीला मैदानों के विकास, विस्तार, जीर्णोद्धार और सौंदर्यीकरण के लिए वृहद परियोजनाएं प्रस्तावित की हैं। संस्कृति विभाग द्वारा छह जनपदों में इन परियोजनाओं को शामिल किया गया है, जिसके तहत रामलीला स्थलों को बेहतर सुविधाओं और सांस्कृतिक स्वरूप के साथ विकसित किया जाएगा।यह जानकारी प्रदेश के पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने मंगलवार को दी। उन्होंने बताया कि जनपद शाहजहांपुर के टाउन एरिया कोट में स्थित रामलीला मैदान का विकास, विस्तार, जीर्णोद्धार एवं सौंदर्यीकरण कराया जाएगा। इसी क्रम में गोरखपुर के नगर क्षेत्र बड़हलगंज में रामलीला मैदान को भी नई सुविधाओं के साथ विकसित किया जाएगा।मंत्री ने बताया कि फिरोजाबाद जनपद की जसराना विधानसभा क्षेत्र के कस्बा खैरगढ़ स्थित रामलीला स्थल के विकास एवं सौंदर्यीकरण का कार्य कराया जाएगा। इसके अतिरिक्त फर्रुखाबाद की नगर पंचायत कमालगंज में रामलीला मैदान के विकास और पुनरोद्धार की योजना प्रस्तावित है। वहीं, लखीमपुर खीरी के विकास खंड बाकेगंज के ग्राम कुकुरा स्थित रामलीला मैदान में बाउंड्रीवाल निर्माण और आवश्यक सुविधाओं का विस्तार किया जाएगा।जयवीर सिंह ने कहा कि प्रदेश के कई रामलीला मैदानों की स्थिति संतोषजनक नहीं है। इसे देखते हुए सरकार ने इन्हें वित्तीय वर्ष 2026-27 की बड़ी परियोजनाओं में शामिल किया है।

ई-रिक्शा और टैंपो में यात्रियों को बनाते थे निशाना : मड़ियांव पुलिस ने अंतरराज्यीय चोरी गिरोह के 5 सदस्यों को दबोचा

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। राजधानी में ई-रिक्शा और टैंपो में सफर करने वाले यात्रियों के बैग से गहने और कीमती सामान चोरी करने वाले एक अंतरराज्यीय गिरोह का मड़ियांव पुलिस ने खुलासा किया है। पुलिस ने गिरोह के दो पुरुष और तीन महिलाओं समेत कुल पांच सदस्यों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से लाखों रुपये मूल्य के जेवरात और नकदी बरामद की है। गिरफ्तार आरोपितों का संबंध हरियाणा और राजस्थान से बताया जा रहा है, जो लखनऊ में अस्थायी रूप से रहकर वारदातों को अंजाम दे रहे थे।पुलिस के अनुसार, 11 मई 2026 को थाना मड़ियांव पुलिस टीम भिठौली तिराहे पर गश्त और चेकिंग में मौजूद थी। इसी दौरान मुखबिर से सूचना मिली कि थाना क्षेत्र में ई-रिक्शा और टैंपो में सवार यात्रियों के साथ चोरी की घटनाओं में शामिल कुछ संदिग्ध पुरुष और महिलाएं नौबस्ता मोड़ से रेलवे स्टेशन की ओर जाने वाली सड़क के पास बैग के साथ मौजूद हैं। सूचना को गंभीरता से लेते हुए पुलिस टीम तत्काल मौके पर पहुंची और घेराबंदी कर पांचों संदिग्धों को हिरासत में ले लिया।पूछताछ में पकड़े गए आरोपितों ने अपनी पहचान जय प्रकाश उर्फ जैकी, मनोज कुमार उर्फ जत्थू, रजनी, रामवती और अनीता के रूप में बताई। इनमें दो आरोपित हरियाणा के पलवल जिले के निवासी हैं, जबकि एक महिला राजस्थान के धौलपुर जनपद की रहने वाली है। सभी वर्तमान में मल्हौर रेलवे स्टेशन के पास चिनहट क्षेत्र में अस्थायी रूप से रह रहे थे।तलाशी के दौरान पुलिस ने आरोपितों के कब्जे से एक गले का हार, दो चैन, दो मंगलसूत्र, माथे का टीका, एक अंगूठी, एक जोड़ी कान के टप्स समेत पीली धातु के कई आभूषण और 29,400 रुपये नकद बरामद किए। पूछताछ और सत्यापन में सामने आया कि बरामद सामान मड़ियांव और गोमतीनगर थाना क्षेत्रों में दर्ज चोरी के कई मुकदमों से संबंधित है।

ईंधन बचत पर महापौर सख्त: दो वाहन रखने वाले अधिकारियों से एक वाहन हटाने के निर्देश, खुद भी छोड़ा एक वाहन

लखनऊ। नगर निगम में ईंधन की अनावश्यक खपत रोकने और संसाधनों के बेहतर उपयोग को सुनिश्चित करने के उद्देश्य से महापौर सुषमा खर्कवाल ने सख्त कदम उठाए हैं। महापौर ने नगर आयुक्त गौरव कुमार को पत्र लिखकर नगर निगम में वाहनों के उपयोग को नियंत्रित करने तथा ईंधन बचत सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं।महापौर ने अपने पत्र में उल्लेख किया है कि 10 मई 2026 को गुजरात के बड़ोदरा से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वर्तमान वैश्विक परिस्थितियों और पश्चिम एशिया में उत्पन्न हालात को देखते हुए देशवासियों से आयातित ईंधन, विशेषकर डीजल और पेट्रोल के न्यूनतम उपयोग तथा संसाधनों के संरक्षण का आह्वान किया था। इसी क्रम में नगर निगम स्तर पर भी ईंधन बचत को प्राथमिकता देने का निर्णय लिया गया है।

मलिहाबाद में शराब ठेके पर विवाद बना खूनी संघर्ष : सेल्समैन की लोहे की पाइप से हत्या

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। राजधानी के मलिहाबाद थाना क्षेत्र में देशी शराब ठेके पर हुए मामूली विवाद ने खूनी रूप ले लिया। शराब खरीदने को लेकर हुए विवाद में एक व्यक्ति ने ठेके पर कार्यरत सेल्समैन पर लोहे की पाइप से हमला कर उसकी हत्या कर दी। बीच-बचाव करने आए एक अन्य व्यक्ति को भी आरोपी ने पीटकर घायल कर दिया। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए हत्या के आरोपी को घटना के कुछ घंटों के भीतर गिरफ्तार कर लिया तथा उसकी निशानदेही पर घटना में प्रयुक्त लोहे की पाइप भी बरामद कर ली।पुलिस के अनुसार, 11 मई 2026 को मलिहाबाद थाना क्षेत्र के मोहल्ला सैय्यदबाड़ा निवासी हेमा पत्नी अजय कुमार जायसवाल उर्फ रिंकू जायसवाल ने तहरीर देकर सूचना दी कि उनके पति अजय कुमार जायसवाल उर्फ रिंकू जायसवाल ग्राम ढेढेमऊ स्थित देशी शराब ठेके पर सेल्समैन के रूप में कार्यरत थे। आरोप है कि ग्राम ढेढेमऊ निवासी नन्हक्के कश्यप ने लोहे की पाइप से हमला कर उन्हें गंभीर रूप से घायल कर दिया, जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई।घटना के दौरान बीच-बचाव करने पहुंचे रज्जन लाल निवासी ग्राम पुरवा को भी आरोपी ने मारपीट कर घायल कर दिया। मामले की गंभीरता को देखते हुए थाना मलिहाबाद में तत्काल हत्या और मारपीट की धाराओं में मुकदमा दर्ज कर पुलिस टीम गठित की गई और आरोपी की तलाश शुरू कर दी गई।पुलिस की सक्रियता के चलते मुखबिर की सूचना पर उसी दिन शाम करीब 7:30 बजे समदा तालाब, कस्बा मलिहाबाद के पास से आरोपी नन्हक्के कश्यप को गिरफ्तार कर लिया गया। पूछताछ में आरोपी ने हत्या की बात स्वीकार करते हुए बताया कि वह सुबह शराब खरीदने के लिए ग्राम ढेढेमऊ स्थित देशी शराब ठेके पर गया था। ठेका बंद होने की बात को लेकर सेल्समैन अजय कुमार जायसवाल से उसका विवाद हो गया। विवाद बढ़ने पर गुस्से में उसने पास में पड़ी लोहे की पाइप उठाकर अजय कुमार जायसवाल के सिर पर कई वार कर दिए, जिससे उनकी मौत हो गई।आरोपी ने पूछताछ में यह भी बताया कि बीच-बचाव करने आए रज्जन लाल को भी उसने लोहे की पाइप से पीटकर घायल कर दिया। घटना के बाद उसने हत्या में प्रयुक्त पाइप को ग्राम ढेढेमऊ में तालाब किनारे छिपा दिया था। आरोपी की निशानदेही पर पुलिस ने लोहे की पाइप बरामद कर ली, जिसके बाद मुकदमे में साक्ष्य मिटाने से संबंधित धारा भी बढ़ाई गई।

सीतापुर सहित कई जिलों के नेताओं व सामाजिक कार्यकर्ताओं ने थामा कांग्रेस का हाथ

लखनऊ। उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी ने मंगलवार को संगठनात्मक विस्तार के तहत कई सामाजिक कार्यकर्ताओं, महिला नेताओं, जनप्रतिनिधियों और युवाओं को पार्टी की सदस्यता दिलाई। प्रदेश कांग्रेस कार्यालय, लखनऊ में आयोजित कार्यक्रम में सीतापुर सहित प्रदेश के विभिन्न जनपदों से आए लोगों ने कांग्रेस की प्राथमिक सदस्यता ग्रहण कर पार्टी की नीतियों और समावेशी विचारधारा में आस्था जताई।इस अवसर पर उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष अजय राय की मौजूदगी में जनपद सीतापुर से सांसद राकेश राठौर तथा प्रदेश कांग्रेस के ज्वाइनिंग प्रभारी नितिन शर्मा की उपस्थिति में आई0पी0एफ0 की केंद्रीय कमेटी की सदस्य एवं मजदूर किसान मंच की प्रदेश उपाध्यक्ष सुनीता रावत, मनरेगा मजदूर नेता मीना सचान और रामदेवी ने कांग्रेस पार्टी की सदस्यता ग्रहण की।

कमरे में फंदे से लटकी मिली सैलून मैनेजर, हर पहलू की जांच में जुटी पुलिस

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। राजधानी के गोमतीनगर विस्तार क्षेत्र स्थित शालीमार वन वर्ल्ड टावर-सी1 में मंगलवार तड़के एक युवती का शव फ्लैट के अंदर फंदे से लटका मिलने से हड़कंप मच गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने दरवाजा तोड़कर कमरे में प्रवेश किया, जहां युवती छत पर लगे पंखे से दुपट्टे के सहारे लटकी मिली। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और मामले के हर पहलू की गहनता से जांच शुरू कर दी है।पुलिस के अनुसार, 12 मई 2026 को तड़के करीब 2:30 बजे थाना गोमतीनगर विस्तार को सूचना प्राप्त हुई कि शालीमार वन वर्ल्ड टावर-सी1 के फ्लैट नंबर-804 में रहने वाली एक महिला ने कमरे का दरवाजा अंदर से बंद कर लिया है और काफी आवाज देने के बावजूद अंदर से कोई प्रतिक्रिया नहीं मिल रही है। सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस टीम तत्काल मौके पर पहुंची।मौके पर पहुंचने पर पुलिस ने पाया कि फ्लैट का दरवाजा अंदर से बंद था। आसपास मौजूद लोगों और टावर के सुरक्षा कर्मियों की मदद से दरवाजा तोड़कर पुलिस टीम अंदर दाखिल हुई। कमरे के भीतर पुलिस ने देखा कि रतना सिंह (32) पुत्री सुधीर सिंह छत पर लगे पंखे से दुपट्टे के फंदे के सहारे लटकी हुई थीं। पुलिस ने तत्काल शव को नीचे उतरवाया और प्रारंभिक जांच शुरू की। पूछताछ और उपलब्ध जानकारी के आधार पर पता चला कि मृतका मूल रूप से गोरखपुर जनपद के कैंट थाना क्षेत्र के बिछिया इलाके की रहने वाली थीं।

नीट पेपर लीक पर संजय सिंह का भाजपा पर हमला : 'शिक्षा माफिया के साथ मिलकर युवाओं का भविष्य बर्बाद कर रही सरकार'

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। आम आदमी पार्टी के यूपी प्रभारी व राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने मंगलवार को नीट परीक्षा पेपर लीक मामले को लेकर भाजपा सरकार पर तीखा हमला बोला। उन्होंने आरोप लगाया कि भारतीय जनता पार्टी शिक्षा माफिया के साथ मिलकर देश के नौजवानों का भविष्य बर्बाद करने में लगी हुई है और बार-बार होने वाली पेपर लीक की घटनाएं सरकार की विफलता और संरक्षण की ओर इशारा करती हैं।संजय सिंह ने कहा कि नीट परीक्षा का पेपर पहली बार लीक नहीं हुआ है। इससे पहले वर्ष 2024 में भी पेपर लीक का मामला सामने आया था और अब 3 मई को हुई परीक्षा में 180 में से 135 सवाल लीक होने की बात सामने आई है। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा से जुड़े लोग शिक्षा माफिया के पूरे नेटवर्क को संरक्षण दे रहे हैं, जिसके चलते प्रतियोगी परीक्षाओं की विश्वसनीयता लगातार सवालों के घेरे में है।उन्होंने कहा कि देश के लाखों नौजवान दिन-रात कठिन मेहनत कर प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करते हैं, लेकिन भाजपा सरकार और उसके संरक्षण में पल रहे शिक्षा माफिया उनके सपनों को कुचलने का काम कर रहे हैं। उनके अनुसार यह पता लगाया जाना चाहिए कि पेपर लीक कराने वाले लोग कौन हैं, किसके संरक्षण में यह पूरा नेटवर्क चल रहा है और शिक्षा के नाम पर यह संगठित कारोबार किन लोगों के जरिए संचालित हो रहा है।आप सांसद ने कहा कि जब भी निष्पक्ष जांच होगी तो इस पूरे नेटवर्क के तार भाजपा से जुड़े लोगों तक पहुंचते दिखाई देंगे और यही वजह है कि दोषियों के खिलाफ प्रभावी कार्रवाई नहीं हो पाती। उन्होंने आरोप लगाया कि पेपर लीक मामलों में दोषियों को बचाने की कोशिश की जाती है, जिससे युवाओं का विश्वास व्यवस्था से उठता जा रहा है।संजय सिंह ने कहा कि इस बार नीट परीक्षा में लगभग 22 लाख छात्र-छात्राओं ने हिस्सा लिया था। यदि उनके परिवारों को भी शामिल किया जाए तो करोड़ों लोग इस कथित पेपर लीक कांड से प्रभावित हुए हैं। उन्होंने कहा कि एक ओर छात्र कठिन परिस्थितियों में रहकर पढ़ाई करते हैं और माता-पिता अपनी जमा पूंजी बच्चों की शिक्षा पर खर्च करते हैं, वहीं दूसरी ओर भ्रष्ट तंत्र और सरकारी नाकामी के कारण उनका भविष्य संकट में पड़ जाता है। उनके अनुसार यह केवल पेपर लीक नहीं बल्कि देश के नौजवानों के साथ विश्वासघात है।भाजपा सरकार पर निशाना साधते हुए संजय सिंह ने आरोप लगाया कि देश में वोट चोरी से लेकर पेपर चोरी तक की घटनाएं हो रही हैं, महंगाई बढ़ी है, रुपया कमजोर हुआ है और देश की विदेश नीति भी प्रभावित हुई है। उन्होंने कहा कि मौजूदा समय में नौजवान, महिलाएं और व्यापारी वर्ग सभी असुरक्षा और चिंता के माहौल में जी रहे हैं।उन्होंने कहा कि पेपर लीक केवल परीक्षा प्रणाली पर हमला नहीं है, बल्कि यह युवाओं की मेहनत, सपनों और भविष्य पर सीधा प्रहार है। आम आदमी पार्टी इस मुद्दे को सड़क से संसद तक उठाती रहेगी और शिक्षा माफिया व उन्हें संरक्षण देने वाली ताकतों के खिलाफ संघर्ष जारी रखेगी।

अग्रसेन पार्क में युवक की संदिग्ध मौत से सनसनी : सिर और चेहरे पर गंभीर चोट के निशान

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। राजधानी के बाजारखाला थाना क्षेत्र स्थित अग्रसेन पार्क में मंगलवार को एक अज्ञात युवक का शव मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। युवक गंभीर चोटिल अवस्था में पार्क के भीतर पड़ा मिला, जिसके सिर और चेहरे पर गहरे घाव पाए गए। प्रथम दृष्टया मामला हत्या का प्रतीत हो रहा है। पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज के आधार पर एक संदिग्ध की पहचान कर उसकी तलाश शुरू कर दी है।पुलिस के अनुसार, मंगलवार को थाना बाजारखाला को सूचना प्राप्त हुई कि अग्रसेन पार्क में एक व्यक्ति गंभीर रूप से घायल अवस्था में पड़ा हुआ है। सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची। घटनास्थल का निरीक्षण करने पर पार्क के भीतर एक अज्ञात व्यक्ति, जिसकी उम्र लगभग 35 वर्ष बताई जा रही है, मृत अवस्था में मिला।पुलिस जांच में मृतक के सिर और चेहरे पर गंभीर चोटों के निशान पाए गए हैं। शुरुआती जांच में आशंका जताई जा रही है कि युवक पर किसी भारी लकड़ी या कठोर वस्तु से हमला किया गया, जिससे उसकी मौत हुई। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने घटनास्थल को घेराबंदी कर जांच शुरू कर दी।घटनास्थल और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालने पर पुलिस को अहम सुराग मिले हैं। फुटेज में दो व्यक्ति एक-दूसरे के गले में हाथ डाले अग्रसेन पार्क के अंदर जाते दिखाई दे रहे हैं। कुछ देर बाद उनमें से एक व्यक्ति लकड़ी का डंडा लेकर दोबारा पार्क में प्रवेश करता है और थोड़ी देर बाद तेजी से बाहर निकलता हुआ नजर आता है।सीसीटीवी फुटेज के आधार पर पुलिस ने संदिग्ध व्यक्ति की पहचान पिंटू पुत्र रामदुलारे निवासी मोतीझील, थाना बाजारखाला, लखनऊ के रूप में की है। पुलिस के अनुसार प्रथम दृष्टया वही घटना में संदिग्ध भूमिका में नजर आ रहा है। उसकी गिरफ्तारी के लिए पुलिस की कई टीमें गठित कर संभावित ठिकानों पर दबिश दी जा रही है।घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस उपायुक्त पश्चिमी और सहायक पुलिस आयुक्त बाजारखाला मौके पर पहुंचे तथा घटनास्थल का निरीक्षण कर मामले के शीघ्र खुलासे के निर्देश दिए। साथ ही फॉरेंसिक टीम और फील्ड यूनिट को मौके पर बुलाकर वैज्ञानिक तरीके से साक्ष्य जुटाने की प्रक्रिया शुरू की गई।पुलिस मृतक की शिनाख्त कराने के लिए आसपास के थानों, स्थानीय लोगों और अन्य माध्यमों की मदद ले रही है। शव को कब्जे में लेकर पंचायतनामा की कार्रवाई पूरी की जा रही है, जिसके बाद पोस्टमार्टम के लिए भेजा जाएगा। पुलिस का कहना है कि मामले में सभी पहलुओं पर जांच की जा रही है और जल्द ही घटना का खुलासा किया जाएगा।

जैसे श्यामा प्रसाद मुखर्जी को भारतीय जनता पार्टी की श्रद्धांजलि

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भारतीय जनता पार्टी ने बंगाल जीतकर जैसे श्यामा प्रसाद मुखर्जी को श्रद्धांजलि दे दी है। 1953 में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक स्व गुरु गोलवलकर के कहने पर श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने दिल्ली में जनसंघ की स्थापना की थी , तत्कालीन समय में श्यामा प्रसाद मुखर्जी हिंदू महासभाई थे और उन्होंने कश्मीर के मुद्दे पर नेहरू मंत्री परिषद से इस्तीफा दे दिया था। हालांकि गुरु गोलवलकर भारतीय राजनीति में संघ को नहीं भागीदार बनाना चाहते थे।गुरु गोलवलकर ने श्यामा प्रसाद मुखर्जी को दीनदयाल उपाध्याय, सुंदर सिंह भंडारी, लालकृष्ण आडवाणी, बलराज माधोक, और अटल बिहारी वाजपेई को जनसंघ भेज दिया। श्यामा प्रसाद मुखर्जी कोलकाता के एक धनाढ्य ब्राह्मण परिवार से थे। कश्मीर आंदोलन में वे नगर गिरफ्तार हो गए तब अटल बिहारी वाजपेई उनके साथ थे । संदिग्ध परिस्थितियों में उनकी मृत्यु हो गई नगर अस्पताल में।

तब से जनसंघ और बाद में भारतीय जनता पार्टी का नारा था कि जहां हुए बलिदान मुखर्जी वह कश्मीर हमारा है । क्योंकि जम्मू कश्मीर को भारतीय संविधान में विशेष राज्य का दर्जा प्राप्त था उसके मुख्यमंत्री को प्रधानमंत्री और झंडा, पृथक था और यह सब उसे संविधान का अनुच्छेद 370 तहत हासिल था।जो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार ने 05 अगस्त 2019 को संसद में बिल पारित कर विलोपित कर दिया है। अटल बिहारी वाजपेई कहते थे कि बंगाल जितने का सपना अधूरा रहा। लेकिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की नेतृत्व वाली भारतीय जनता पार्टी ने 04 मई 2026 को बंगाल विधानसभा चुनाव जीतकर यह सपना भी पूरा कर दिया है। विगत दिवस भारतीय जनता पार्टी मुख्यालय पर आयोजित बंगाल विजय सभा में पोस्टर था जहां जन्मे मुखर्जी वह बंगाल हमारा है भारतीय जनता पार्टी के पथम राष्ट्रीय महासचिव दीनदयाल उपाध्याय का सपना रहा कि अंग,बंग, और कलिंग में भारतीय जनता पार्टी की सरकार हो (अंग)बिहार(बंग)बंगाल (कलिंग) ओडिशा आज सरकार है । अशोक सिंघल, लालकृष्ण आडवाणी का सपना था अयोध्या में भव्य रामलाला का मंदिर बने । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सभी नेताओं और पूर्वजों के सपने साकार कर दिए।

उन्होंने अटलजी की एनडीए की परिकल्पना को साकार कर दिया और अब उत्तराखंड, हरियाणा, दिल्ली, राजस्थान, गुजरात, महाराष्ट्र, पश्चिमी बंगाल, उत्तर प्रदेश, बिहार, मध्य प्रदेश, असम उड़ीसा, नागालैंग, मणिपुर, त्रिपुरा, मेघालय, सिक्किम, अरुणाचल प्रदेश,गोवा, अंडमान निकोबार, दमन द्वीप, नगर हवेली, चंडीगढ़,में भारतीय जनता पार्टी की सरकार है।

यह सब एक दिन नहीं हुआ बल्कि तीन पीढ़ियां खप गई।

1998 में अटल बिहारी वाजपेई जब प्रधानमंत्री थे तब उन्होंने ममता बनर्जी को आगे कर तृणमूल कांग्रेस के साथ समझौता कर चुनाव लड़ा तत्कालीन समय में पश्चिमी बंगाल में सीपीएम, सीपीई, आरएसपी लेफ्ट की सरकार थी।जैसा कि वही समय बिहार से नीतीश कुमार को आगे कर समता पार्टी से समझौता किया उसी समय भाजपा की बीजेडी के साथ ओडिशा में भी सरकार थी। तत्कालीन समय में केंद्रीय प्रचारक प्यारेलाल खंडेलवाल ने नवीन पटनायक से समझोता किया था। लेकिन नीतीश कुमार के अलावा सभी प्रयोग बंगाल, ओडिशा में असफल हो गए। ममता बनर्जी ने 2001 का चुनाव कांग्रेस के साथ मिलकर लड़ा ।2006 के विधानसभा चुनाव में सीपीएम, सीपीई क्रस्क्क,ने ज्योति बसु को संन्यास दिला दिया तत्कालीन समय में बासुदेव भट्टाचार्य मुख्यमंत्री बने।2011 में ममता बनर्जी ने लेफ्ट पार्टियों की सरकार उखाड़ दिया।2011से 2026 तक 15 वर्ष लगातार मुख्यमंत्री रही ममता बनर्जी।2021 के चुनावों बंगाल विधानसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी ने 77 सीट जीती और 40 फीसदी वोट मिले।2026 के विधानसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी ने ममता बनर्जी की तुड़मूल कांग्रेस को 206 सीट लाकर हरा दिया।

मणिपुर हिंसा : आक्रोश में अवसर तलाशता विपक्ष

संजय सक्सेना

हिंसा केवल जातीय कलह तक सीमित नहीं रही। हाल ही में अप्रैल 2026 में बिष्णुपुर और इंफाल में फिर झड़पें भड़कीं, जहां सुरक्षा बलों पर हमले हुए और कर्फ्यू लगाना पड़ा।

भारत के पूर्वोत्तर का एक छोटा सा राज्य मणिपुर पिछले कई सालों से क्षेत्रीय हिंसा की खबरों के कारण पूरे देश में सुर्खियां बटोर रहा है। एक तरफ मोदी सरकार लगातार दावे कर रही है कि मणिपुर में हालात बेहतर करने के लिये लगातार प्रयास किये जा रहे हैं, वहीं विपक्ष मणिपुर के बिगड़े हालात के लिये मोदी सरकार को कसूरवार ठहराने का कोई भी मौका नहीं छोड़ता है। विपक्ष इतना शोर करते हुए अन्य कहीं नहीं देखा जाता है, जितना मणिपुर को लेकर मचाया जा रहा है। क्या है इसके पीछे राजनीतिक कारण? क्या यहाँ की हिंसा जातियों में आपसी क्लेश का मामला है? कहा जाता है कि मणिपुर का संघर्ष मुख्य रूप से मैतेई और कुकी समुदायों के बीच है, यह बात कितनी सच है? मणिपुर की समस्या को कहीं राजनेताओं के आरोप-प्रत्यारोप ने और जटिल तो नहीं बना दिया है। यह तमाम सवाल हैं जिनका उत्तर मिलना बेहद जरूरी है। गौरतलब हो, मणिपुर की हिंसा की जड़ें गहरी हैं। राज्य की अधिकांश आबादी मैतेई समुदाय की है, जो इंफाल घाटी में रहते हैं और राज्य की राजनीति व अर्थव्यवस्था पर नियंत्रण रखते हैं। दूसरी ओर कुकी और नागा जैसे आदिवासी समुदाय पहाड़ी इलाकों में बसे हैं, जो संसाधनों और प्रतिनिधित्व में भेदभाव का आरोप लगाते हैं। तीन साल पहले मई में उच्च न्यायालय के मैतेई को जनजातीय दर्जा देने के सुझाव से कुकी समुदाय ने विरोध प्रदर्शन किया, जो हिंसा में बदल गया। तब से मणिपुर में हिंसा की आग लगातार सुलग रही है, जिसमें सैकड़ों मौतें हो चुकी हैं और पचास हजार से अधिक लोग विस्थापित हैं।

हिंसा केवल जातीय कलह तक सीमित नहीं रही। हाल ही में अप्रैल 2026 में बिष्णुपुर और इंफाल में फिर झड़पें भड़कीं, जहां सुरक्षा बलों पर हमले हुए और कर्फ्यू लगाना पड़ा। कुकी उग्रवादियों पर छह लोगों की हत्या का आरोप लगा, जिससे तनाव बढ़ा। दोनों पक्षों ने एक-दूसरे पर जमीन हथियाने और संसाधनों पर कब्जे का इल्जाम लगाया। मैतेई कहते हैं कि कुकी अवैध प्रवासियों को बसाने की साजिश रच रहे हैं, जबकि कुकी विकास में हिस्सेदारी की मांग करते हैं। यह आपसी कलह इतिहास से चली आ रही है, जब मैतेई राजाओं ने कुकी को पहाड़ों में बसाया था, लेकिन अब दोनों के बीच दुश्मनी गहरी हो गई है। उधर, विपक्ष इसी कलह को राजनीतिक हथियार बनाने से जुड़ा है। कांग्रेस और अन्य दल बीजेपी सरकार को हिंसा रोकने में नाकाम बताते हैं। वे कहते हैं कि प्रधानमंत्री की चुप्पी उदासीनता दिखाती है और मुख्यमंत्री एन. बीरेन सिंह को हटाने की मांग करते हैं। राज्यसभा में खरगे ने श्वेत पत्र की मांग की, जबकि राहुल गांधी ने महिलाओं पर अत्याचार का मुद्दा उठाया। विपक्ष का तर्क है कि बीजेपी मैतेई समुदाय को समर्थन देकर कुकी को नजरअंदाज कर रही है, जिससे हिंसा बढ़ी। इसके पीछे राजनीतिक कारण स्पष्ट हैं। मणिपुर में बीजेपी की सरकार है, और विपक्ष इसे कमजोर करके उत्तर-पूर्व में अपनी जमीन मजबूत करना चाहता है। 2023 से संसद के सत्रों में विपक्ष ने मणिपुर को हाईजैक करने की कोशिश की, लेकिन बीजेपी ने पलटवार किया कि वे राजनीतिक लाभ के लिए लोगों को भड़का रहे हैं। राष्ट्रपति शासन के बावजूद हालात नहीं सुधरे, तो कांग्रेस ने कहा कि बीजेपी के पास बहुमत होने पर भी इच्छाशक्ति नहीं है। आने वाले चुनावों को देखते हुए विपक्ष बीजेपी को घेरना चाहता है, खासकर जब एनडीए के सहयोगी जैसे जेडीयू ने सरकार को समर्थन दिया।

खैर, इस बात से इंकार नहीं किया जा सकता है कि विपक्ष के बीजेपी पर हमलावर रहने का कारण सत्ता की राजनीति है। विपक्ष जानता है कि मणिपुर का मुद्दा राष्ट्रीय स्तर पर बीजेपी की छवि खराब कर सकता है। वे मोदी सरकार की पूर्वोत्तर नीति पर सवाल उठाते हैं, जबकि बीजेपी कहती है कि कांग्रेस के समय भी हिंसा होती थी। इसी के कारण मैतेई विधायकों पर जनता का गुस्सा फूटा क्योंकि उन्होंने केंद्र तक बात नहीं पहुंचाई। विपक्ष इसे भुनाकर अल्पसंख्यक कुकी वोटों को अपने पाले में लाना चाहता है। हाल में बीजेपी नेताओं के दौरे को कांग्रेस ने चुनावी ड्रामा बताया।हालांकि हिंसा मूल रूप से जातीय है। मैतेई को जनजातीय लाभ जैसे आरक्षण और जमीन अधिकार चाहिए, जो कुकी को खतरा लगता है। कुकी पहाड़ी क्षेत्रों पर नियंत्रण रखते हैं और डरते हैं कि मैतेई घाटी से ऊपर आ जाएं। दोनों ने हिंसा की, घर जलाए, लेकिन सरकार की विफलता ने इसे लंबा खींचा। यहां 217 मौतें और हजारों लोगों का बेघर होना यह साबित करता है कि यह सामाजिक क्लेश है, न कि सिर्फ राजनीतिक। फिर भी विपक्ष इसे बीजेपी की साजिश बताकर शोर मचाता है। मणिपुर को लेकर राजनीतिक कारणों पर रोशनी डाली जाये तो ऐसा लगता है कि मणिपुर की हिंसा पर हो-हल्ला करके विपक्ष अपना वोट बैंक मजबूत करना चाहता है। वे कुकी समुदाय को अपना सहारा बताते हैं, जबकि मैतेई बीजेपी समर्थक हैं। इसलिये वह संसद में चर्चा की मांग करके सदन जाम करते हैं, जो बीजेपी को कमजोर दिखाता है। यहां के हालात को देखते हुए केंद्र ने अमित शाह को भेजा, लेकिन विपक्ष संतुष्ट नहीं। 2026 तक हिंसा जारी रहने से विपक्ष को लगातार मुद्दा मिलता रहता है। बीजेपी का कहना है कि विपक्ष परिपक्वता दिखाए, लेकिन वे लाभ उठाते हैं। बात प्रबुद्ध समाज की की जाये तो यह वर्ग कहता है कि मणिपुर हिंसा के समाधान के लिए दोनों पक्षों को बातचीत करनी होगी। मुख्यमंत्री ने माफी मांगी, लेकिन विश्वास बहाली जरूरी है। इसके साथ ही केंद्र को जनजातीय दर्जे पर स्पष्ट नीति बनानी चाहिए। विपक्ष का शोर कम हो और सहयोग बढ़े, अन्यथा यह कलह राज्य को तबाह करता रहेगा। मणिपुर के लोग शांति चाहते हैं, राजनीति का खेल नहीं। यह संघर्ष जातीय कलह से उपजा है, लेकिन विपक्ष ने इसे राजनीतिक रंग दे दिया। बीजेपी पर हमले से उनका एजेंडा चलता है, पर शांति सबकी जिम्मेदारी है। कुल मिलाकर, मणिपुर का दर्द गहरा है, जिसे हल करने के लिए एकजुटता जरूरी है।

टिप्पणी

दुर्भाग्यपूर्ण सूरत में तब्दील

वेदांता कंपनी के बिजली संयंत्र में बॉयलर फटने से कम-से-कम 14 मजदूर मारे गए और 30 से ज्यादा कर्मचारी घायल हो गए। अनुमान लगाया जा सकता है कि ये खबर मीडिया में महज एक दिन की सुर्खी बन कर रह जाएगी।

भारत सरकार की ईज ऑफ डूइंग बिजनेस नीति किस तरह मजदूरों के लिए ईज ऑफ डाइंग की दुर्भाग्यपूर्ण सूरत में तब्दील हो गई है, उसकी एक ताजा मिसाल छत्तीसगढ़ के सक्ती जिले में हुआ हादसा है। सिंघीतराई में स्थित वेदांता कंपनी के बिजली संयंत्र में मंगलवार को बॉयलर फटने से कम-से-कम 14 मजदूरों की मौत हो गई और 30 से ज्यादा कर्मचारी घायल हो गए। अनुमान लगाया जा सकता है कि ये खबर मीडिया में महज एक दिन की सुर्खी बन कर रह जाएगी। ना तो नीति-निर्माता, ना मीडिया कर्मी और ना ही सामाजिक कार्यकर्ता ये सवाल उठाने की जरूरत महसूस करेंगे कि आखिर ऐसी औद्योगिक दुर्घटनाओं की संख्या हाल के वर्षों में क्यों बढ़ती चली गई है?

सिर्फ 2026 पर नज़र डालें, तो अब तक कारखानों में कम-से-कम ऐसे सात बड़े हादसे हुए हैं, जिनमें मजदूरों की जान गई है। ये दुर्घटनाएं छत्तीसगढ़ से लेकर मध्य प्रदेश, राजस्थान, हरियाणा, महाराष्ट्र, और आंध्र प्रदेश तक में हुईं। बीते हफ्ते तेलंगाना में एक रासायनिक कारखाने में भीषण विस्फोट हुआ, हालांकि उसमें किसी जान नहीं गई। हलकी आग, छत गिरने या गैस लीक होने जैसी ऐसी घटनाओं की सूची तो लंबी है, जिनमें हताहत होने वाले मजदूरों की संख्या सीमित रहती है। सिर्फ छत्तीसगढ़ में 2024 से 2026 में अब तक औद्योगिक हादसों में 296 मजदूरों की जान गई है।

एक अध्ययन के मुताबिक देश में हर रोज औसतन तीन श्रमिकों की जान औद्योगिक हादसों में जाती है। इनमें से ज्यादातर मामलों को मामूली मुआवजा देकर निपटा दिया जाता है। मगर हादसों की जड़ में जाने और उसके लिए प्रबंधन को जवाबदेह बनाने की चर्चा शायद ही कभी सुनने को मिलती हो। कानून की किताब में ऐसे प्रावधान हों भी, तो ईज ऑफ डूइंग बिजनेस के जमाने पर उन्हें गंभीरता से लेने का चलन नहीं रहा। स्पष्टतः कारोबार में ये आसानी श्रमिकों की कीमत पर है। अतः याद रखना चाहिए कि ऐसी कारोबारी आसानी से निवेशकों को मुनाफा बढ़ाने में भले आसानी होती हो, उससे फूलता- फलता उपभोक्ता बाजार तैयार नहीं हो सकता। ना ही ये कारोबारी संस्कृति आम खुशहाली का आधार बन सकती है।

ब्लॉग

सोमनाथः भारत की अजेय आत्मा का प्रतीक!

नरेंद्र मोदी

जय सोमनाथ ! वर्ष 2026 की शुरुआत में मुझे सोमनाथ स्वाभिमान पर्व में सम्मिलित होने का सौभाग्य मिला। यह सोमनाथ मंदिर पर हुए पहले आक्रमण के एक हजार वर्ष बाद भी मंदिर के शाश्वत और अविनाशी होने का पर्व था। अब 11 मई को मुझे एक बार फिर सोमनाथ जाने का सुअवसर प्राप्त हो रहा है। इस बार यह यात्रा पुनर्निर्मित सोमनाथ मंदिर के लोकार्पण की 75वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में है। मैं उस क्षण को फिर जीने जा रहा हूं जब भारत के प्रथम राष्ट्रपति डॉ. राजेंद्र प्रसाद जी ने मंदिर का लोकार्पण किया था। उस दिन, सोमनाथ में विध्वंस से सृजन तक की यात्रा फिर से जीवंत होगी। छह महीनों के भीतर सोमनाथ के इतिहास से जुड़े इन दो अत्यंत महत्वपूर्ण पड़ावों का साक्षी बनना मेरे लिए बहुत सौभाग्य की बात है।

सोमनाथ केवल एक मंदिर नहीं, हमारी सभ्यता का अटूट संकल्प है। इसके सामने लहराता विशाल समुद्र अनंत काल की अनुभूति कराता है। इसकी लहरें हमें सिखाती हैं कि तूफान चाहे कितने भी विकराल क्यों न हों, मनुष्य का साहस और आत्मबल हर बार फिर से उठ खड़ा होने में सक्षम है। तट से टकराती लहरें सदियों से यह उद्घोष कर रही हैं कि मानवीय चेतना को लंबे समय तक दबाया नहीं जा सकता है।

हमारे प्राचीन शास्त्रों में लिखा है: प्रभासं च परिक्रम्य पृथिवीक्रमसंभवम्। अर्थात दिव्य प्रभास (सोमनाथ) की परिक्रमा पूरी पृथ्वी की परिक्रमा के समान है! जब लोग यहां दर्शन-पूजन के लिए आते हैं, तब उन्हें उस सभ्यता की अद्भुत निरंतरता का भी अनुभव होता है, जिसकी ज्योति कभी बुझाई नहीं जा सकी। कई साम्राज्य आए और गए, समय बदला और इतिहास ने ढेरों उतार-चढ़ाव देखे, फिर भी सोमनाथ हमारे हृदय में हमेशा बना रहा।

यह समय उन असंख्य महान विभूतियों के स्मरण का भी है, जो क्रूर आक्रांताओं के सम्मुख अडिग रहे। लकुलीश और सोम शर्मा जैसे मनीषियों ने प्रभास को शैव दर्शन का महान केंद्र बनाया। चक्रवर्ती महाराज धारसेन चतुर्थ ने सदियों पहले वहां दूसरा मंदिर बनवाया था। समय की कठिन परीक्षा के बीच भीम प्रथम, जयपाल और आनंदपाल जैसे शासकों ने आक्रमणों के विरुद्ध अपनी सभ्यता की ढाल बनकर मंदिर की रक्षा की थी। ऐसा माना जाता है कि महान राजा भोज ने भी इस पावन स्थल के पुनर्निर्माण में अपना अमूल्य योगदान दिया था। कर्णदेव सोलंकी और जयसिंह सिद्धराज ने गुजरात की राजनीतिक और सांस्कृतिक शक्ति को पुनर्स्थापित करने में अहम भूमिका निभाई। भाव बृहस्पति, कुमारपाल सोलंकी और पाशुपताचार्यों ने इस तीर्थ को आराधना और ज्ञान के केंद्र के रूप में स्थापित करने में अमूल्य योगदान दिया। विशालदेव वाघेला और त्रिपुरांतक ने इसकी बौद्धिक और आध्यात्मिक परंपराओं की रक्षा की। महिपाल चूड़ासमा और राव खंगार चूड़ासमा ने विध्वंस के बाद पूजा-पाठ की परंपरा को पुनर्जीवित किया। पुण्यश्लोक अहिल्याबाई होल्कर, जिनकी 300वीं जयंती मनाई जा रही है, उन्होंने सबसे चुनौतीपूर्ण समय में भी भक्ति की परंपरा को जीवंत रखा। बड़ौदा के गायकवाड़ों ने तीर्थयात्रियों के अधिकारों की रक्षा की। इसके साथ ही हमारी यह धरती वीर हमीरजी गोहिल, वीर वेगड़ाजी भील जैसे पराक्रमियों से धन्य हुई है। उनके साहस और बलिदान को आज भी याद किया जाता है।

1940 के दशक में स्वतंत्रता की भावना पूरे भारत में फैल रही थी। सरदार पटेल जैसे महान नेताओं के नेतृत्व में स्वतंत्र भारत की नींव रखी जा रही थी। ऐसे में एक बात जो उन्हें बहुत व्यथित करती थी, वह थी- सोमनाथ की दुर्दशा। 13 नवंबर 1947 को, दिवाली के समय, उन्होंने सोमनाथ के जर्जर अवशेषों के सामने खड़े होकर, समुद्र का जल हाथ में लेकर संकल्प लिया, 'इस (गुजराती) नववर्ष पर हमारा निश्चय है कि सोमनाथ का पुनर्निर्माण होगा। सौराष्ट्र के लोगों को इसके लिए हर तरह से अपना योगदान देना होगा। यह एक पावन कार्य है, जिसमें हर किसी को भागीदारी निभानी होगी। उनके इस आह्वान ने सिर्फ गुजरात ही नहीं, बल्कि संपूर्ण भारतवर्ष को नए उत्साह से भर दिया।

दुर्भाग्यवश, सरदार पटेल अपने उस सपने को साकार होते नहीं देख सके, जिसके लिए उन्होंने स्वयं को समर्पित कर दिया था। इससे पहले कि जीर्णोद्धार के बाद सोमनाथ मंदिर भक्तों के लिए खुलता, उन्होंने इस दुनिया को अलविदा कह दिया। इसके बावजूद, प्रभास पाटन की पावन धरती पर उनका प्रभाव निरंतर महसूस किया जाता रहा है। उनके विजन को के.एम. मुंशी ने आगे बढ़ाया, जिन्हें नवानगर के जामसाहेब का समर्थन मिला। 1951 में मंदिर का पुनर्निर्माण पूरा होने पर राष्ट्रपति डॉ. राजेंद्र प्रसाद को उद्घाटन के लिए आमंत्रित किया गया। तत्कालीन प्रधानमंत्री पंडित नेहरू के विरोध के बावजूद, डॉ. प्रसाद ने समारोह में हिस्सा लेकर इसे ऐतिहासिक बना दिया।

मुझे अक्टूबर 2001 का वह समय आज भी अच्छे से याद है, जब मैंने मुख्यमंत्री के रूप में दायित्व संभाला था। 31 अक्टूबर 2001 को, सरदार पटेल की जयंती के अवसर पर गुजरात सरकार ने सोमनाथ मंदिर के पुनर्निर्माण की 50वीं वर्षगांठ का भव्य आयोजन किया। इसी समय सरदार पटेल की 125वीं जयंती भी मनाई जा रही थी। इस कार्यक्रम में तत्कालीन प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी जी और तत्कालीन गृहमंत्री श्री लालकृष्ण आडवाणी जी की मौजूदगी ने इसे और भी गरिमापूर्ण बना दिया।

11 मई 1951 को अपने भाषण में डॉ. राजेंद्र प्रसाद ने कहा था कि सोमनाथ मंदिर दुनिया को यह संदेश देता है कि अद्वितीय श्रद्धा और विश्वास को कभी नष्ट नहीं किया जा सकता। उन्होंने आशा व्यक्त की, कि यह मंदिर सदैव लोगों के हृदय में बसा रहेगा। उन्होंने यह भी कहा कि मंदिर के पुनर्निर्माण से सरदार पटेल का सपना साकार हुआ है। उन्होंने इस बात पर भी बल दिया कि सरदार पटेल की भावनाओं के अनुरूप लोगों के जीवन में समृद्धि भी लानी होगी। इसको लेकर उनके संदेश अत्यंत प्रेरणादायी रहे हैं।

पिछले एक दशक से हम इसी मार्ग पर चल रहे हैं। 'विकास भी, विरासत भी के मंत्र से प्रेरित होकर सोमनाथ से काशी, कामाख्या से केदारनाथ, अयोध्या से उज्जैन और त्रयंबकेश्वर से श्रीशैलम तक, हमने अपने आध्यात्मिक केंद्रों को आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित किया है। इसके साथ ही उनकी पारंपरिक पहचान को भी बनाए रखा है। आज बेहतर कनेक्टिविटी से ज्यादा से ज्यादा लोग यहां आ पा रहे हैं। इससे स्थानीय अर्थव्यवस्था को बल मिल रहा है, आजीविका सुरक्षित हो रही है, साथ ही 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत की भावना और सशक्त हो रही है।

सोमनाथ की रक्षा और इसके पुनर्निर्माण के लिए जिन्होंने अपना सर्वस्व बलिदान किया, उनका संघर्ष हम कभी नहीं भुला सकते। भारत के विभिन्न हिस्सों से आए लोगों ने इसकी भव्यता और दिव्यता को लौटाने में अपना अद्भुत योगदान दिया। उनकी ऐसी ही आस्था पूरे भारतवर्ष को लेकर भी थी। वे एकता की ऐसी अद्भुत डोर से बंधे थे, जिसे जमीनी सीमाओं में नहीं बांटा जा सकता। आज की विभाजित दुनिया में, सोमनाथ से मिलने वाली एकता की यह सीख पहले से कहीं अधिक प्रासंगिक है। सोमनाथ अपनी गौरवशाली परंपरा के साथ हमेशा खड़ा रहेगा, क्योंकि यह हमारी साझा सभ्यता का प्रतीक है। इसी गौरव को नमन करते हुए बलिदान देने वाले वीरों की स्मृति में और दानवीरों की उदारता को याद करते हुए अगले एक हजार दिनों तक यहां विशेष पूजा आयोजित की जाएगी। यह देखकर बहुत प्रसन्नता हो रही है कि बड़ी संख्या में लोग इस पुनीत कार्य में अपना योगदान दे रहे हैं।

सोमनाथ हमें याद दिलाता है कि जब कोई समाज अपनी आस्था, अपनी संस्कृति और अपनी एकता से जुड़ा रहता है, तब उसे लंबे समय तक दबाया नहीं जा सकता। आज भी हमारी सबसे बड़ी शक्ति यही साझा चेतना है, यही एकात्म भाव है। यही भावना हमें विभाजन से ऊपर उठकर राष्ट्रहित में साथ चलने की प्रेरणा देती है।

मैं सभी देशवासियों से आग्रह करता हूं कि इस पावन अवसर पर पवित्र सोमनाथ धाम की यात्रा करें और इसकी भव्यता के साक्षात दर्शन करें। जब आप सोमनाथ के तट पर खड़े होंगे, तब उसकी प्राचीन प्रतिध्वनियों को अपने भीतर महसूस करेंगे। वहां आपको केवल भक्ति का अनुभव नहीं होगा, बल्कि उस सभ्यतागत चेतना की सशक्त धड़कन भी सुनाई देगी, जो कभी रुकी नहीं, जिसकी तीव्रता कभी कम नहीं हुई। वहां आप भारत की उस अपराजित आत्मा का अनुभव करेंगे, जिसने हर आघात के बावजूद अपनी पहचान और अपनी संस्कृति को अक्षुण्ण बनाए रखा। आप समझ पाएंगे कि इतने प्रयासों के बाद भी क्यों हमारी सभ्यता मिट नहीं सकी। वहां आपको चिर विजय के उस दर्शन का अनुभव होगा, जो सदियों से भारत की शक्ति बना हुआ है। मुझे पूरा विश्वास है कि आपके लिए यह एक अविस्मरणीय अनुभव होगा।

(लेखक भारत के प्रधानमंत्री हैं तथा श्री सोमनाथ ट्रस्ट के अध्यक्ष भी हैं।)

'चाइनीज मांझा' पर रोक के लिए यूपी सरकार ने क्या किया, हाई कोर्ट ने मांगा जवाब, अगली सुनवाई में सचिव भी तलब

आर्यावर्त संवाददाता

प्रयागराज। चाइनीज़ मांझा को लेकर आए दिन कहीं न कहीं घटना होती रहती है। इस मांझे की वजह से गर्दन कटने से अब तक कई लोगों की मौत भी हो चुकी है। इससे जुड़े मामले की सुनवाई इलाहाबाद हाई कोर्ट में चल रही है। हाई कोर्ट की लखनऊ बेंच ने चाइनीज़ मांझा की बिक्री, खरीद और इस्तेमाल को लेकर सख्त रुख अपनाया और उत्तर प्रदेश सरकार से यह जानना चाहा कि इसे बाजार में आने से रोकने के लिए उसकी ओर से किस तरह की और क्या ठोस योजना बनाई गई है।

राज्य सरकार ने कल सोमवार को सुनवाई के दौरान हाई कोर्ट को बताया कि वह इस तरह के मांझे पर रोक लगाने के लिए एक कानून बनाने की प्रक्रिया में है और इस उद्देश्य के लिए पहले ही 6 सदस्यों की एक

समिति गठित की जा चुकी है।

अगली सुनवाई में सचिव भी आएं : HC

इस बात पर संज्ञान लेते हुए, जस्टिस राजन रॉय और जस्टिस मनजीव शुक्ला की बेंच ने गृह और पर्यावरण विभागों के सचिवों, या सचिव के पद से ऊपर के अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे अगली सुनवाई की तारीख (13 जुलाई) पर वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से उपस्थित रहें। कोर्ट ने यह आदेश स्थानीय वकील एम.एल. यादव की ओर से दाखिल एक जनहित याचिका (PIL) की सुनवाई के दौरान जारी किया। सुनवाई के दौरान, केंद्र सरकार के वकील राजकुमार सिंह ने हाई कोर्ट को बताया कि लेड-कोटेड और नायलॉन मांझे के इस्तेमाल पर नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल (NGT) की ओर से पहले ही प्रतिबंध लगाया जा चुका है।

पतंग संघ भी सहयोग करे : हाई कोर्ट

बेंच ने टिप्पणी की कि मांझे को लेकर केवल प्रतिबंध लगाना ही पर्याप्त नहीं है, और कहा कि यह राज्य सरकार की भी जिम्मेदारी है कि वह प्रतिबंध का प्रभावी अनुपालन सुनिश्चित करे और उन जगहों की जांच करे जहां इस तरह का मांझा बनाया और बेचा जा रहा है।

इस बीच, शहर के पतंग संघ ने एक हस्तक्षेप याचिका दायर की, जिसमें आरोप लगाया गया कि पुलिस और अन्य अधिकारी चाइनीज़ मांझे के खिलाफ कार्रवाई के नाम पर उसके लोगों को परेशान कर रहे हैं। इस पर, हाई कोर्ट ने टिप्पणी की कि एसोसिएशन के सदस्यों को भी प्रतिबंधित पतंग की डोर के इस्तेमाल पर रोक लगाने की कोशिशों में सहयोग करना चाहिए, साथ ही सरकार को निर्देश दिया कि वह यह सुनिश्चित करे कि किसी को भी अनावश्यक रूप से परेशान न किया जाए।

महिला आरक्षण का विरोध सपा को पड़ेगा भारी

आर्यावर्त संवाददाता

जौनपुर। संसद में 33 प्रतिशत महिला आरक्षण बिल का विरोध करने मंगलवार को जिला मंत्री अंशु कुशवाहा के नेतृत्व में भाजपा महिला मोर्चा व महिला कार्यकर्ताओं ने महिला जन आक्रोश अभियान के तहत लोहिया पार्क के परिसर में सपा सांसद बाबू सिंह कुशवाहा व समाजवादी पार्टी के खिलाफ हाथों में तख्तियां लेकर जोरदार प्रदर्शन किया और सपा मुर्दाबाद के नारे लगाए।मुख्य अतिथि महिला मोर्चा की जिला अध्यक्ष रागिनी सिंह ने कहा कि महिला आरक्षण का विरोध कर सपा और कांग्रेस ने अपनी महिला विरोधी सोच उजागर कर दी है उन्होंने कहा कि देश की आधी आबादी आगामी चुनाव में इसका करारा जवाब देगी श्री सिंह ने कहा 33 प्रतिशत महिला आरक्षण का विरोध सपा व विपक्षी दलों को 2027 के यूपी चुनावों में भारी पड़ेगा। अंशु कुशवाहा ने कहा कि यहाँ उपस्थित मेरी जुझारू बहनों आज हम यहाँ एक बहुत ही गंभीर विषय पर एकत्रित हुए हैं एक तरफ केंद्र की भाजपा सरकार श्नारी शक्ति वंदन अधिनियमश लाकर महिलाओं को उनका हक और सम्मान दे रही है, और दूसरी तरफ हमारे जौनपुर में ऐसे लोग सांसद बनकर बैठे हैं, जिनके राजनीतिक इतिहास और संरक्षण में महिलाओं के हितों की हमेशा अनदेखी हुई है। सुमन पांडेय ने आरोप लगाया कि समाजवादी पार्टी हमेशा महिला सशक्तिकरण के मुद्दों पर दोहरा चरित्र दिखाती रही है नारी शक्ति वंदन अधिनियम देश की माताओं, बहनों और बेटियों को राजनीति में मजबूत भागीदारी देने की दिशा में ऐतिहासिक कदम है, लेकिन सपा नेताओं ने इसका विरोध कर अपनी महिला विरोधी मानसिकता उजागर कर दी है। विमला श्रीवास्तव मिलन श्रीवास्तव राखी सिंह सुशीला सिंह निशी सोनकर पूनम पूजा शान्ति मीता मंगला आशा सुमन सुभाना लीलावती विमला विन्द विमला मौर्य रुपा अग्रहरि प्रीति संगीता सुशीला विश्वकर्मा विमला चन्दकला मुन्नी देवी दुलारी गायती सुमन आदि उपस्थित रही।

पौष्टिक आहार किट का वितरण किया

आर्यावर्त संवाददाता

जौनपुर। सरजू प्रसाद शैक्षिक सामाजिक एवं सांस्कृतिक संस्था जज कॉलोनी के तत्वाधान में प्रधानमंत्री टी.बी. मुक्त भारत अभियान के तहत पौष्टिक आहार किट का वितरण किया गया। मुख्य अतिथि डॉक्टर सुशील कुमार अग्रहरी ने पौष्टिक आहार किट दिए जाने के मेडिकल और सामाजिक परिवेश को मरीज को गोद दिए जाने की प्रक्रिया और उद्देश्य को विस्तार पूर्वक बताया। राजीव कुमार श्रीवास्तव एस.टी.एल.एस. ने बताया कि मरीज को टीवी का इलाज पूरा लेना चाहिए। डी.आर. टी.बी. के मरीज परिवार के सदस्यों को लक्षण होने पर टीवी की जांच करानी चाहिए। अध्यक्षता प्रधानाचार्य डॉक्टर सुबाष सिंह ने बताया कि यह टी.बी. के लक्षण 2 हफ्ते से ज्यादा खांसी आना, दो हफ्ते से अधिक बुखार आना, बलगम कफ में खून आना, वजन कम होना, भूख कम लगना, रात में पसीना आना, यह सब लक्षण टीवी के हैं जिसकी जांच नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र पर निशुल्क कराया जा सकता है।संस्था अध्यक्ष प्रधान अध्यापक प्रमोद कुमार प्रजापति ने कहा कि टीवी हवा के द्वारा फैलती है फेफड़ों की टी.बी. से पीड़ति मरीज के खांसने थूकने से टीवी के जीवाणु हवा के साथ-साथ दूसरे व्यक्ति के सांस लेने पर उसके शरीर के अंदर तक पहुंचकर बीमारी फैला सकते हैं। टीवी हॉस्पिटल के . नवीन सिंह प्रवक्ता प्रदीप सिंह सोमरू राम प्रजापति ठाकुर प्रसाद राय सागर श्रीवास्तव अतुल धर्मेंद्र कुमार श्रीवास्तव बबलू अमन श्रीवास्तव अनिल कुमार गुप्ता संगीता देवी रामचंद्र शुभम यादव इत्यादि लोग उपस्थित रहे। संजय उपाध्याय पूर्व अध्यक्ष बाल न्यायालय ने आए हुए सभी अतिथियों का आभार व्यक्त किया।

ट्रेन से गायब हुई दुल्हन प्रज्ञा तो मिल गई, अब रेलवे ने भी दिया ये बयान, की खास अपील

आर्यावर्त संवाददाता

गाजियाबाद। देहरादून से गाजियाबाद की यात्रा के दौरान नंदा देवी एक्सप्रेस से रहस्यमयी तरीके से लापता हुईं प्रज्ञा सिंह को 6 दिनों की कड़ी मशक्कत के बाद सकुशल बरामद कर लिया गया है। उत्तर रेलवे ने इस पूरे घटनाक्रम पर अपना पहला आधिकारिक बयान जारी करते हुए मामले की पूरी कड़ियां स्पष्ट की हैं। सोमवार दोपहर को रेलवे पुलिस ने प्रज्ञा को पंडित दीनदयाल उपाध्याय जंक्शन (मुगलसराय) से उनके परिवार को सौंप दिया।

उत्तर रेलवे द्वारा जारी बयान के अनुसार, 5 मई की रात प्रज्ञा सिंह अपने पति मनीष के साथ गाड़ी संख्या 12402 (देहरादून-कोटा नंदा देवी एक्सप्रेस) में सफर कर रही थीं। हरिद्वार के लक्सर स्टेशन के पास वह संदिग्ध परिस्थितियों में लापता हो गईं। जब ट्रेन मुजफ्फरनगर स्टेशन पहुंची, तब मनीष की आंख खुली

और उन्होंने प्रज्ञा को गायब पाया। पूरी ट्रेन और स्टेशन पर तलाश करने के बाद भी जब सुराग नहीं मिला, तो लक्सर जीआरपी थाने में गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई गई।

रेलवे और पुलिस की सक्रियता

मामला सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल होने के बाद रेल मंत्रालय और उत्तर रेलवे प्रशासन पूरी तरह सक्रिय हो गया। उत्तर रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी (CPRO) हिमांशु शेखर उपाध्याय ने बताया कि यात्रियों की सुरक्षा रेलवे की सर्वोच्च प्राथमिकता है। जीआरपी लक्सर और रेलवे की टेक्निकल टीमों ने तत्काल तकनीकी ट्रैकिंग और विभिन्न स्टेशनों पर लगे सीसीटीवी कैमरों की निगरानी शुरू कर दी। हालांकि, लक्सर से मुजफ्फरनगर के बीच कुछ स्थानों पर कैमरों की खराब स्थिति ने जांच में बाधा भी उत्पन्न की।

6 दिन बाद बिहार में खुला राज

पुलिस और खुफिया एजेंसियां प्रज्ञा की तलाश में उत्तराखंड से लेकर यूपी तक छापेमारी कर रही थीं और परिवार किसी अनहोनी की आशंका से डरा हुआ था। लेकिन 11 मई को यह मामला तब सुलझा जब प्रज्ञा ने खुद बेगूसराय (बिहार) से अपनी माँ को फोन कर अपनी लोकेशन बताई।

पूछताछ में सामने आई वजह

पुलिस पूछताछ में प्रज्ञा ने बताया कि ट्रेन में उनका अपने पति से किसी बात पर झगड़ा हो गया था। जब मनीष सो गए, तो वह गुस्से में चुपचाप ट्रेन से उतर गईं और बिना टिकट बिहार जाने वाली दूसरी ट्रेन पकड़ ली। वह बेगूसराय पहुंचकर अपनी मौसी के घर चली गई थीं।

रेलवे ने की यात्रियों से अपील

रेलवे प्रशासन ने इस सुखद अंत पर संतोष व्यक्त किया है। हिमांशु शेखर उपाध्याय ने कहा, "हमारी टीमों ने दिन-रात काम किया ताकि यात्री को सुरक्षित वापस लाया जा सके।" रेलवे ने यात्रियों से अपील की है कि यात्रा के दौरान किसी भी आपात स्थिति, झगड़े या संदिग्ध घटना की सूचना तुरंत रेलवे हेल्पलाइन नंबर 139 पर दें, ताकि समय रहते उचित कदम उठाए जा सकें।

यह मामला न केवल सुरक्षा के लिहाज से महत्वपूर्ण रहा, बल्कि इसने पारिवारिक विवादों के चलते यात्रा के दौरान होने वाली घटनाओं की ओर भी ध्यान खींचा है। फिलहाल, प्रज्ञा सिंह अपने परिवार के साथ सकुशल गाजियाबाद लौट आई हैं।

सपा सांसद अजेंद्र सिंह लोधी की बढ़ी मुश्किलें, पीएम पर अमर्यादित टिप्पणी मामले में पुलिस ने दर्ज किया केस

आर्यावर्त संवाददाता

महोबा। बुंदेलखंड की हमीरपुर-महोबा-तिंदवारी संसदीय सीट से नवनिर्वाचित समाजवादी पार्टी के सांसद अजेंद्र सिंह लोधी विवादों में घिर गए हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ दिए गए उनके एक बयान ने प्रदेश की सियासत में उबाल ला दिया है। इस मामले में पुलिस ने सांसद के खिलाफ गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

बता दें कि सोमवार को जिला कलेक्ट्रेट में विभिन्न मांगों को लेकर सपा कार्यकर्ताओं का प्रदर्शन चल रहा था। इसी दौरान संबोधन के वक्त सांसद अजेंद्र सिंह लोधी ने मर्यादा की सीमाएं लांघते हुए प्रधानमंत्री को 'देशविरोधी' तक कह डाला। सांसद ने पीएम के खिलाफ कुछ ऐसे शब्दों का प्रयोग किया, जिसे भाजपा ने देश के सर्वोच्च पद का अपमान बताया है।

इस बयान के सामने आते ही भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ताओं में भारी आक्रोश फैल गया, जिसके बाद शहर के आल्हा चौक पर जोरदार विरोध प्रदर्शन और पुतला दहन किया गया। वहीं, भाजपा द्वारा सांसद पर मुदकमा दर्ज कर कार्रवाई की मांग की गई थी।

सोमवार को समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ता बिजली कटौती, पेयजल संकट, स्मार्ट मीटर की समस्याओं और फसल बीमा घोटाले को लेकर कलक्ट्रेट में प्रदर्शन कर रहे थे। इसी दौरान मीडिया से मुखातिब होते हुए सांसद अजेंद्र सिंह लोधी ने मर्यादा की सीमाएं लांघ दीं। उन्होंने प्रधानमंत्री पर सीधा हमला बोलते हुए उन्हें देशविरोधी बताया और कहा कि ऐसा प्रधानमंत्री न पहले कभी हुआ और न आने वाली सरकारों में होगा।

ईवीएम और स्मार्ट मीटर पर भी उठाए सवाल

सांसद ने केवल व्यक्तिगत टिप्पणी ही नहीं की, बल्कि सरकार की नीतियों पर भी गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि घरों में लगे स्मार्ट मीटर बिजली न रहने पर भी चलते रहते हैं। साथ ही, उन्होंने जिले में फसल बीमा के बड़े घोटाले और सैकड़ों विद्यालयों के बंद होने का मुद्दा उठाया। सांसद ने बंगाल की स्थिति और ईवीएम की निष्पक्षता पर भी सवाल खड़े किए और दावा किया कि 2027 में प्रदेश में सपा की सरकार बनेगी।

सांसद ने कहा था- हम डरने वाले नहीं

पुतला फूंके जाने और विरोध की खबरों के बीच सपा सांसद अजेंद्र सिंह लोधी के तेवर नरम नहीं पड़े हैं। उन्होंने पलटवार करते हुए कहा कि विरोधी लोग कुछ भी कर सकते हैं, उन्हें करने दें। हम डरने वाले नहीं हैं और सच्चाई बोलते रहेंगे। अगर भाजपा वाले मुकदमा लिखवाना चाहते हैं, तो लिखवा दें, इससे ज्यादा और क्या होगा।

तनावपूर्ण माहौल, पुलिस की नजर

महोबा में इस घटनाक्रम के बाद राजनीतिक माहौल काफी गरमा गया है। दोनों दलों के कार्यकर्ताओं के बीच टकराव की आशंका को देखते हुए पुलिस प्रशासन सतर्क है। भाजपा इस मामले को लेकर कानूनी रुख अख्तियार करने की तैयारी में है, जबकि सपा सांसद अपने रुख पर अड़े हुए हैं।

बंजर जमीन पर कब्जे का आरोप, न्याय की गुहार

जौनपुर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को भेजे गए शिकायती पत्र में जफराबाद के अहमदपुर गांव के ग्रामीणों ने बंजर भूमि पर कथित फर्जी तरीके से नाम दर्ज कराकर बैनामा किए जाने और अवैध कब्जे की कोशिश का गंभीर आरोप लगाया है। मामला तहसील सदर के ग्राम अहमदपुर, परगना हवेली से जुड़ा बताया जा रहा है।ग्रामीणों की ओर से आशुतोष यादव समेत अन्य लोगों ने आरोप लगाया है कि आराजी नंबर 304 और 305, जो 1359 फसली अभिलेखों में बंजर खाते में दर्ज हैं, उन पर विपक्षी पक्ष द्वारा कथित रूप से कूटरचित दस्तावेजों के माध्यम से नाम दर्ज करा लिया गया। इसके बाद उक्त भूमि का विभिन्न लोगों के नाम बैनामा भी कर दिया गया।शिकायतकर्ताओं का कहना है कि प्रभावशाली बैनामेदार अब जमीन पर कब्जा करने का प्रयास कर रहे हैं तथा अलग-अलग बाउंड्री दिखाकर गांव के लोगों का रास्ता भी अवरुद्ध किया जा रहा है।

लूटी थी मासूम की अस्मत, हैवान 'किन्नू' अब मरते दम तक सलाखों के पीछे रहेगा

आर्यावर्त संवाददाता

मुरादाबाद। उत्तर प्रदेश के मुरादाबाद में विशेष पॉक्सो अदालत ने एक बड़ा फैसला सुनाया है। अदालत ने साढ़े छह साल पुराने अपराध में दोषी को उम्रकैद की सजा सुनाई है। अपराधी का नाम सत्यभान उर्फ 'किन्नू' है। यह मामला 24 दिसंबर 2019 का है। मुरादाबाद के मूंढापांडे थाना क्षेत्र के भदासना हवाई पट्टी के पास वारदात को अंजाम दिया गया था।

आरोपी सत्यभान ने एक नाबालिग लड़की को बहला-फुसलाकर हवाई पट्टी के पास स्थित एक सुनसान प्लांट में ले गया और रेप किया। पुलिस ने इस घटना की गंभीरता को देखते हुए तत्काल पॉक्सो एक्ट और एससी/एसटी एक्ट की अलग-अलग धाराओं में केस दर्ज किया था। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में मॉनिटरिंग सेल ने इस

केस पर पैनी नजर रखी।

डिप्टी एसपी रामसागर और मूंढापांडे थाने के पैरोकार हेड कांस्टेबल सुमित ने इस मामले को अंजाम तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। विशेष लोक अभियोजक मोहम्मद अकरम खां और मनोज गुप्ता ने अदालत में इतने मज़बूत साक्ष्य और दलीलें पेश कीं कि अपराधी के पास बचने का कोई रास्ता नहीं बचा। विशेष न्यायाधीश (पॉक्सो एक्ट) छाया शर्मा की अदालत ने सभी गवाहों और सबूतों के आधार पर सत्यभान को दोषी करार दिया।

आजीवन कारावास की सजा सुनाई

कोर्ट ने अपराधी को आजीवन कारावास (उम्रकैद) की सजा सुनाई है। साथ ही 40 हजार रुपये का जुर्माना लगाया है। स्थानीय लोगों का कहना है कि यह न्याय केवल एक पीड़िता की जीत नहीं है, बल्कि उन तमाम असामाजिक तत्वों के लिए एक सख्त चेतावनी है जो मासूमों को अपना निशाना बनाते हैं। इस फैसले से जहां पीड़िता के परिवार को न्याय मिला है, वहीं मुरादाबाद में कानून के प्रति जनता का विश्वास और अधिक मजबूत हुआ है। पुलिस ने स्पष्ट कर दिया है कि महिलाओं और बच्चों के विरुद्ध होने वाले अपराधों में किसी भी प्रकार की कोताही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

दवा प्रतिनिधियों ने मांग दिवस मनाया

आर्यावर्त संवाददाता

जौनपुर। दवा प्रतिनिधियों ने राष्ट्रीय मांग दिवस मनाया एवं एक ज्ञापन प्रधानमंत्री को सम्बोधित ज्ञापन जिलाधिकारी को दिया। जिसमें मजदूर की समस्याओं की ओर ध्यान आकर्षित करने के लिए निवेदन किया , क्योंकि सरकारी कार्यवाही के अभाव में कर्मचारियों को उनके नियुक्ताओं द्वारा अपनाई जाने वाली विभिन्न अनुचित श्रम कानून का शिकार होना पड़ता है । नियोक्ता श्रम कानून का उल्लंघन कर रहे हैं । नियोक्ता, यूनियन नेताओं और श्रमिकों के विरोध करने के लोग तांत्रिक और कानूनी अधिकार को दबाने के लिए उनके खिलाफ झूठी पुलिस शिकायतें दर्ज कर रहे हैं । सभी गिरफ्तार मजदूरों एवं कार्यकर्ताओं की तत्काल और बिना शर्त रिहाई, सभी झूठे मामलों की वापसी, दमन की समाप्ति और सभी अवैध हिरासतों को खत्म करने की मांग करता है । साथ ही, ट्रेड यूनियनों के साथ तत्काल

त्रिपक्षीय वार्ता, भारतीय श्रम सम्मेलन का शीघ्र आयोजन, पूर्ण वैधानिक लाभों के साथ 26000 रुपए न्यूनतम मजदूरी का क्रियान्वयन, सख्त 8 घंटे का कार्य दिवस, डबल ओवर टाइम भुगतान, कार्यस्थल सुरक्षा सुनिश्चित करना, ठेका मजदूरों के साथ समान व्यवहार, सस्ती एलपीजी और ठेका श्रम व्यवस्था के उन्मूलन हेतु नियमितीकरण की मांग करता है। चार श्रम संहिताओं को निरस्त करें और बिक्री संवर्धन कर्मचारी (सेवा की शर्तें) अधिनियम,1976 सहित मौजूद श्रम कानून को जारी रखें । ट्रेड यूनियनों और श्रमिकों के कानूनी और संवैधानिक अधिकारों पर हमला बंद करें। अनिल मिश्रा, अजय चैरसिया, अच्युत दुबे, अजय सिंह, सुनील प्रजापति, अभिषेक सिंह, शैलेश मौर्य की भूमिका अहम रही।

कलेजा चीर रहीं ये तस्वीरें : जवान बेटे को पीट-पीटकर मार डाला, लाश देख मां की बिगड़ी हालत, पत्नी हो गई बेहोश

आर्यावर्त क्रांति

आगरा। हत्यारों का एनकाउंटर कर दो या हमें भी गोली मार दो...। हे राम, मेरे बच्चे को क्यों मार डाला....। बेटे के शव से लिपट कर रो-रोकर हर्ष जैन की मां का बेहाल हो गईं। पत्नी नंदिनी पति का चेहरा देखते ही गश खाकर बेहोश हो गई। होश में आने पर मासूम बेटे के लिए उठकर खड़े होने को कहने लगी। बेटा हर्षित भी रोने लगा, उसे बुआ ने संभाला। परिवार का करुण क्रंदन देख हर किसी की आंखें नम हो गईं। सोमवार दोपहर 2 बजे हर्ष का शव घर पहुंचते ही परिजन बेहाल हो गए। करुण क्रंदन गूंजने लगा। पिता दिनेश का कहना था कि पुलिस ने आरोपी के भाई और बाइक पर साथ आए दोस्त को नामजद नहीं किया है। इससे गुस्साए परिजन शव को गुदड़ी मंसूर खां चौराहे पर ले गए। शव रखकर प्रदर्शन करने लगे। मां दीपिका ने पुलिस से आरोपियों का एनकाउंटर

करने की मांग की। पुलिस ने आरोपी की गिरफ्तारी और मामले की निष्पक्ष जांच कर कार्रवाई का आश्वासन देकर परिजनों को समझाया। एक घंटे तक चले हंगामे के बाद परिजन अंतिम संस्कार को तैयार हुए। मोहल्ले के लोगों का कहना था कि हर्ष किसी से झगड़ा नहीं करता था। मामूली बात पर उसकी जान ले ली गई।

तीन वर्ष पहले हुआ था प्रेम विवाह

पिता ने बताया कि उनके दो बेटी और एक बेटा हर्ष था। बेटियों की शादी हो चुकी है। तीन वर्ष पहले हर्ष ने प्रेम विवाह किया था। पूरा परिवार उसकी शादी के बाद खुश था। पोते के जन्म के बाद परिवार हंसी खुशी चल रहा था। हर्ष काम पर से लौटने के बाद चाय की दुकान पर भी बैठता था। उसे अलग-अलग स्टाइल के कपड़े पहनना पसंद था। उसके स्टाइलिश कपड़ों की सभी तारीफ करते थे। बेटे का पूरे क्षेत्र में किसी से कोई विवाद नहीं था।

सट्टे की गद्दी चलाने का आरोप

दिनेश ने आरोप लगाया है कि देवा के पिता क्षेत्र में सट्टे की गद्दी चलाते हैं। इस कारण परिवार की क्षेत्रीय पुलिसकर्मियों के साथ भी बैठक है। गलत धंधे से मोटी कमाई के कारण देवा और उसका भाई क्षेत्र में दबंगई करते थे। उनके साथ हर वक्त गुर्गों की टीम लगी रहती है। उधर, पुलिस ने आरोपी पर कोई प्राथमिकी पहले से दर्ज होने की बात से इन्कार किया है।

आरोपी बोला, पटक-पटक कर मार डाला

थाना पुलिस की पूछताछ में पता चला कि देवा के बड़े भाई विशाल को हर्ष ने पीट दिया था। भाई ने घर आकर इस बारे में बताया। इससे वो गुस्से में आ गया। वह उसे तलाशने लगा। वह टोरंट के ट्रांसफार्मर के पास पैदल जाता मिल गया। उसने पहले हर्ष के चेहरे पर मुक्के मारे। बेहोश होने लगा तो उसने जमीन पर गिरा कर सड़क पर कई बार पटक दिया। हर्ष के शरीर में हरकत होना बंद हुई तो वहां से बाइक पर बैठ कर चला गया।

कोई बचाता तो नहीं जाती जान

प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि मारपीट के दौरान वहां आसपास कई लोग मौजूद थे। किसी ने बीचबचाव कराने का प्रयास नहीं किया। जब हर्ष बेहोश हो गया तो देवा वहां से चला गया। एक घंटे तक हर्ष वहीं पड़ा रहा पर किसी ने उसे हाथ तक नहीं लगाया। 11 बजे जब परिजन उसे लेकर आसपास के कई निजी अस्पताल गए पर उसकी हालत देख कहीं भी भर्ती नहीं किया गया। लोग अगर सही समय पर अस्पताल पहुंचा देते तो शायद उसकी जान बच जाती।

उठते ही फोन चलाना...सुबह की इन खराब आदतों को आज ही कहें बाय, सेहत पर होता है बुरा असर

दिनभर की थकान के बाद सुकून से आराम करना और फ्रेश स्ट्रेस फ्री मॉर्निंग सभी को अच्छी लगती है, लेकिन सुबह उठने के बाद आपकी कुछ ऐसी आदतें हैं जो न सिर्फ फिजिकली नुकसान पहुंचाती हैं, बल्कि इससे आपका तनाव भी बढ़ सकता है। ऐसी ही 5 आदतों के बारे में जानेंगे जो सुबह अवॉइड करनी चाहिए।

आपने कभी नोटिस किया है कि अगर सुबह का रूटीन सही न रहा हो तो पूरा दिन आप सुस्त महसूस करते हैं। दरअसल मॉर्निंग की शुरुआत खराब हो तो पूरा रूटीन बिगड़ सकता है। सुबह की अच्छी आदतें जहां आपकी ओवरऑल हेल्थ को सुधार सकती हैं तो वहीं कुछ ऐसी खराब आदते हैं जिससे आपके शरीर के अंदरूनी अंगों जैसे ब्रेन, हार्ट, लिवर पर भी बुरा असर हो सकता है।आज के टाइम में लोगों का लाइफस्टाइल इतना बिगड़ चुका है कि ज्यादातर बीमारियों की शुरुआत ही इसी वजह से होती है। इस आर्टिकल में जानेंगे कि आपको मॉर्निंग की किन बैड हैबिट्स से दूरी बनानी चाहिए।

सुबह जागने के बाद पहला घंटा आपके दिन की आगे की हर एक्टिविटी के लिए आपको शारीरिक और मानसिक रूप से तैयार करता है। सुबह की आदतें आपके मेटाबॉलिज्म, हार्ट के फंक्शन से लेकर मेंटल क्लियरटी तक पर असर डालती हैं। इसी वजह से कहा जाता है कि अपनी सुबह की शुरुआत हमेशा हेल्दी तरीके से करनी चाहिए। फिलहाल जान लेते हैं कि कौन सी वो चीजें हैं जो सुबह हम अवॉइड करें।

उठते ही फोन चलाना

आजकल ज्यादातर लोग ऐसे हैं जो देर रात तक फोन चलाते रहते हैं और फिर अपने मोबाइल को सिरहाने रखकर ही सो जाते हैं। सुबह उठते ही वो सबसे पहले सारे नोटिफिकेशन चेक करते हैं, लेकिन इससे आपका स्ट्रेस बढ़ सकता है। इस वजह से मेंटल क्लियरटी और इमोशनल बैलेंस बिगड़ता है। जागने के बाद कम से कम 30 मिनट तक फोन नहीं चलाना चाहिए और किसी भी तरह की स्क्रीन से दूरी बनाएं।

बार-बार अलार्म

हममे से ज्यादातर लोग ऐसे होंगे जो सुबह जल्दी उठने के लिए या तो एक से ज्यादा अलार्म लगा देते हैं या फिर अलार्म बजते ही उसे स्नूज़ कर देते हैं। इससे बार-बार अलार्म बजता है, जिससे आप मेंटली डिस्टर्ब होते रहते हैं। इससे आपके शरीर को बार-बार सोने का संकेत मिलता है, लेकिन आप सही से गहरी नींद में नहीं सो पाते हैं। इस वजह से दिन में भी आलस-सुस्ती बनी रहती है। इससे फोकस पर असर पड़ सकता है, क्योंकि स्ट्रेस बढ़ता है। तो अगली बार अगर आप अलार्म लगा रहे हैं तो 1 बार में जागने की कोशिश करें या फिर इसे अवॉइड करना चाहिए।

नाश्ता करने में गलतियां

भारत में ज्यादातर लोग सुबह उठते ही सीधे खाली पेट चाय या कॉफी पी लेते हैं। इसके साथ नमकीन और कुकीज खाते हैं।ये एक बेहद खराब आदत है जो डाइजेशन और लिवर को नुकसान कर सकती है। इसके अलावा जल्दी-जल्दी में नाश्ता स्किप करना सेहत के लिहाज से बिल्कुल सही नहीं रहता है। मॉर्निंग में बहुत हैवी मील भी नहीं लेना चाहिए। आपको सुबह में फाइबर, प्रोटीन और विटामिन-मिनरल से भरपूर ऐसी चीजें लेनी चाहिए जो आसानी से पच भी जाती हो।

सुबह उठकर पानी न पीना

बहुत सारे ऐसे लोग हैं जो मॉर्निंग की शुरुआत में पानी नहीं पीते हैं, लेकिन ये आदत है नुकसान पहुंचा सकती है। रातभर आप सो रहे होते हैं और इस वजह से शरीर डिहाइड्रेट हो जाता है। आपको रोजाना सुबह खाली पेट पानी पीने की आदत को अपनाना चाहिए। इससे आपकी बॉडी न सिर्फ हाइड्रेट होगी, बल्कि डिटॉक्स भी होती है, लेकिन ध्यान रखें कि ठंडा पानी न पिएं।

लाल, हरी और पीली शिमला मिर्च में होता है अंतर

शिमला मिर्च एक ऐसी सब्जी है, जो कई तरह से खान-पान में इस्तेमाल होती है। लाल, हरी और पीली शिमला मिर्च के बीच का अंतर जानने के बाद आप अपने भोजन में इनका सही उपयोग कर पाएंगे। लाल शिमला मिर्च पकी हुई होती है और इसमें अधिक पोषक तत्व होते हैं। हरी शिमला मिर्च कच्ची होती है और इसमें कम कैलोरी होती हैं। पीली शिमला मिर्च मीठी होती है और इसका स्वाद भी अन्य शिमला मिर्च से अलग होता है।

लाल शिमला मिर्च के फायदे

लाल शिमला मिर्च में विटामिन-सी और एंटीऑक्सीडेंट्स की भरपूर मात्रा होती है, जो शरीर की रोगों से लड़ने की क्षमता को बढ़ाने में मदद कर सकते हैं। इसके अलावा इसमें बीटा-कैरोटीन होता है, जो विटामिन-ए में बदल जाता है और आंखों के स्वास्थ्य के लिए फायदेमंद होता है। लाल शिमला मिर्च का सेवन त्वचा के लिए भी लाभकारी हो सकता है, क्योंकि यह त्वचा को नमी प्रदान करने और उसे मुलायम बनाने में मदद करती है।

हरी शिमला मिर्च के सेवन से मिलने वाले स्वास्थ्य लाभ

हरी शिमला मिर्च में फाइबर होता है, जो पाचन क्रिया को सुधारने में मदद कर सकता है। इसमें विटामिन-सी और विटामिन-के की भरपूर मात्रा होती है, जो हड्डियों के स्वास्थ्य के लिए फायदेमंद होती है। इसके अलावा हरी शिमला मिर्च में सूजन कम करने वाले गुण होते हैं, जो शरीर में सूजन और जलन को कम कर सकते हैं। हरी शिमला मिर्च का सेवन वजन प्रबंधन में भी सहायक हो सकता है, क्योंकि इसमें कम कैलोरी होती हैं।

पीली शिमला मिर्च के लाभ

पीली शिमला मिर्च में ऐसे तत्व होते हैं, जो शरीर को नुकसान पहुंचाने वाले तत्वों को रोकने में मदद करते हैं। इसमें ऐसे पोषक तत्व होते हैं, जो विटामिन-ए में बदल जाते हैं और आंखों के लिए फायदेमंद होते हैं। पीली शिमला मिर्च का सेवन त्वचा को नमी देने में भी मदद कर सकता है और त्वचा को स्वस्थ रख सकता है। इसमें आयरन भी होता है, जो खून में हीमोग्लोबिन के स्तर को बेहतर कर सकता है।

तीनों शिमला मिर्च में पोषक तत्वों का अंतर

तीनों शिमला मिर्च में कैलोरी कम होती है और ये फाइबर का अच्छा स्रोत हैं। इसके अलावा तीनों में विटामिन-सी की मात्रा अधिक होती है, जो शरीर की रोगों से लड़ने की क्षमता को बढ़ाने में मदद कर सकता है। हरी और पीली शिमला मिर्च में तांबा और मैग्नीशियम की मात्रा अधिक होती है। लाल शिमला मिर्च में अधिक मात्रा में बीटा-कैरोटीन होता है, जो विटामिन-ए में बदल जाता है और आंखों के लिए फायदेमंद होता है।

हर महिला को पता होने चाहिए पेट्रोलियम जेली से जुड़े ये हैक्स, त्वचा को बनाएंगे चमकदार

पेट्रोलियम जेली एक ऐसा उत्पाद है, जो आम तौर पर होंठों को नमी देने के लिए इस्तेमाल होता है। हालांकि, इसे कई अन्य तरीकों से भी इस्तेमाल किया जा सकता है। यह त्वचा को नमी देने के साथ-साथ उसे मुलायम और चमकदार भी बनाती है। इस लेख में हम आपको पेट्रोलियम जेली से जुड़े कुछ खास हैक्स बताएंगे, जो आपकी त्वचा को और भी ज्यादा निखार सकते हैं। ये हैक्स सभी महिलाओं को पता होने चाहिए।

मेकअप हटाने के लिए करें इस्तेमाल

पेट्रोलियम जेली को मेकअप हटाने के लिए इस्तेमाल किया जा सकता है। अगर आपके पास मेकअप हटाने वाला उत्पाद नहीं है तो आप पेट्रोलियम जेली का उपयोग कर सकते हैं। यह मेकअप को आसानी से हटाती है और त्वचा को नमी भी देती है। इसके लिए थोड़ी-सी पेट्रोलियम जेली अपनी हथेली पर लें और चेहरे पर हल्के हाथों से मलें, फिर एक गीले कपड़े से साफ कर लें। इससे आपकी त्वचा साफ और ताजगी भरी महसूस करेगी।

सूखे हाथों और पैरों के लिए है फायदेमंद

ठंडे मौसम या लगातार काम करने से अक्सर हाथ और पैर सूख जाते हैं। पेट्रोलियम जेली इसमें भी मदद कर सकता है। सोने से पहले अपने हाथों और पैरों पर अच्छी तरह से पेट्रोलियम जेली लगाएं और फिर मोजे पहन लें। इससे आपकी त्वचा को पूरी रात नमी मिलेगी और अगली सुबह आपके हाथ और पैर मुलायम महसूस होंगे। नियमित रूप से इसका उपयोग करने से आपकी त्वचा हमेशा स्वस्थ और नमी युक्त रहेगी।

कटे-फटे हिस्सों पर लगाएं

अगर आपकी त्वचा पर किसी प्रकार की खरोंच या चोट लग जाए तो उस पर तुरंत पेट्रोलियम जेली लगाएं। यह न केवल घाव भरने में मदद करती है, बल्कि संक्रमण से भी बचाती है। पेट्रोलियम जेली त्वचा को नमी देती है और उसे मुलायम बनाती है। इसके अलावा यह त्वचा को बाहरी प्रदूषकों से भी बचाती है। नियमित रूप से पेट्रोलियम जेली का उपयोग आपकी त्वचा की देखभाल के लिए बहुत फायदेमंद हो सकता है।

रात को पैक की तरह करें इस्तेमाल

रात को सोने से पहले अपने चेहरे पर हल्के हाथों से पेट्रोलियम जेली लगाएं। यह आपकी त्वचा को रात भर नमी देगी और सुबह उठने पर आपका चेहरा ताजगी भरा महसूस होगा। पेट्रोलियम जेली आपकी त्वचा को मुलायम बनाती है और उसे पोषण देती है। इसके अलावा यह त्वचा की नमी को बनाए रखने में भी मदद करती है। नियमित रूप से इसका उपयोग करने से आपकी त्वचा हमेशा स्वस्थ और चमकदार बनी रहती है।

पैरों की एड़ियों को करें नरम

पैरों की एड़ियां अक्सर खुरदुरी हो जाती हैं, खासकर अगर आप बिना मोजे पहने चलते हैं या पानी में काम करते हैं। पेट्रोलियम जेली इसमें भी मदद कर सकता है। सोने से पहले अपनी एड़ियों पर अच्छी तरह से पेट्रोलियम जेली लगाएं और फिर मोजे पहन लें। इससे आपकी एड़ियां मुलायम बन जाएंगी और आपको आराम मिलेगा। इन सरल तरीकों से आप पेट्रोलियम जेली का उपयोग करके अपनी त्वचा को स्वस्थ और सुंदर बना सकती हैं।

संतरे के छिलकों का इन 5 तरीकों से करें इस्तेमाल, मिलेंगे कई स्वास्थ्य लाभ

आमतौर पर लोग संतरे के छिलके को फेंक देते हैं, लेकिन यह त्वचा की देखभाल करने और घर को ताजगी देने के लिए बहुत फायदेमंद होता है। संतरे के छिलकों में विटामिन-सी, एंटीऑक्सीडेंट्स और कई अन्य पोषक तत्व होते हैं, जो त्वचा को स्वस्थ रखने में मदद करते हैं। आइए आज हम आपको कुछ ऐसे आसान और प्रभावी तरीके बताते हैं, जिनसे आप संतरे के छिलकों का इस्तेमाल करके अपनी त्वचा और घर को ताजगी दे सकते हैं।

चेहरे की सफाई के लिए करें इस्तेमाल

संतरे के छिलके का पाउडर चेहरे की सफाई के लिए बहुत उपयोगी हो सकता है। इसके लिए संतरे के छिलकों को धूप में सुखाकर पीस लें और फिर उसमें थोड़ा दही मिलाकर पेस्ट बना लें। इस पेस्ट को अपने चेहरे पर लगाएं और 5-10 मिनट बाद गुनगुने पानी से धो लें। इससे आपका चेहरा साफ और ताजगी भरा महसूस होगा। यह उपाय त्वचा को निखारने में भी मदद करता है।

स्क्रब बनाएं और इस्तेमाल करें

संतरे के छिलके का स्क्रब बनाकर इस्तेमाल करना भी एक अच्छा विकल्प हो सकता है। इसके लिए संतरे के छिलकों को पीसकर उसमें थोड़ा शहद मिलाएं। इस मिश्रण को अपने हाथों, पैरों और शरीर के अन्य हिस्सों पर हल्के हाथों से मलें और फिर ठंडे पानी से धो लें। यह स्क्रब आपकी त्वचा को मुलायम बनाने के साथ-साथ मृत कोशिकाओं को भी हटा सकता है।

दांतों को चमकाने में करें मदद

संतरे के छिलके का इस्तेमाल दांतों को चमकाने के लिए भी किया जा सकता है। इसके लिए एक साफ कपड़े या ब्रश पर थोड़ा सा संतरे का छिलका रगड़ें और उसे अपने दांतों पर हल्के हाथों से मलें। इससे आपके दांत साफ होंगे और उनकी चमक भी बढ़ेगी। यह तरीका न केवल आपके दांतों को साफ करता है बल्कि मुंह की बदबू को भी दूर करता है।

घर की सफाई के लिए करें इस्तेमाल

संतरे के छिलके का पानी बनाकर उसका उपयोग घर की सफाई के लिए किया जा सकता है। इसके लिए कुछ संतरे के छिलकों को पानी में उबाल लें और जब पानी ठंडा हो जाए तो उसे स्प्रे बोतल में भर लें। इस मिश्रण का छिड़काव करने से घर की सतहें साफ होंगी और ताजगी भी मिलेगी। यह तरीका फर्श, टेबल, काउंटरटॉप आदि को साफ करने के लिए बहुत ही प्रभावी है।

तनाव कम करने के लिए करें इस्तेमाल

संतरे के छिलकों की खुशबू तनाव कम करने में मदद कर सकती है। इसके लिए आप कुछ सूखे हुए संतरे के छिलकों को पानी में उबालें और इस पानी को कमरे में फैलाएं या फिर नहाते समय इस पानी का इस्तेमाल करें। इससे आपका मन हल्का होगा और आप तरोताजा महसूस करेंगे। इस प्रकार संतरे के छिलके कई तरीकों से हमारे जीवन में उपयोगी साबित हो सकते हैं।

कौड़ियों के दाम से करोड़ों का सफर! इन 10 पेनी स्टॉक्स ने दिया 2,00,000% तक का रिटर्न

पिछले पांच साल में कई पैनी स्टॉक्स ने निवेशकों को जबरदस्त रिटर्न दिया। डिफेंस, रेलवे, रिन्यूएबल एनर्जी और इंफ्रास्ट्रक्चर सेक्टर की कंपनियों के शेयर 20 रुपए से बढ़कर सैकड़ों-हजारों रुपए तक पहुंच गए और उनका मार्केट कैप हजारों करोड़ रुपए हो गया।

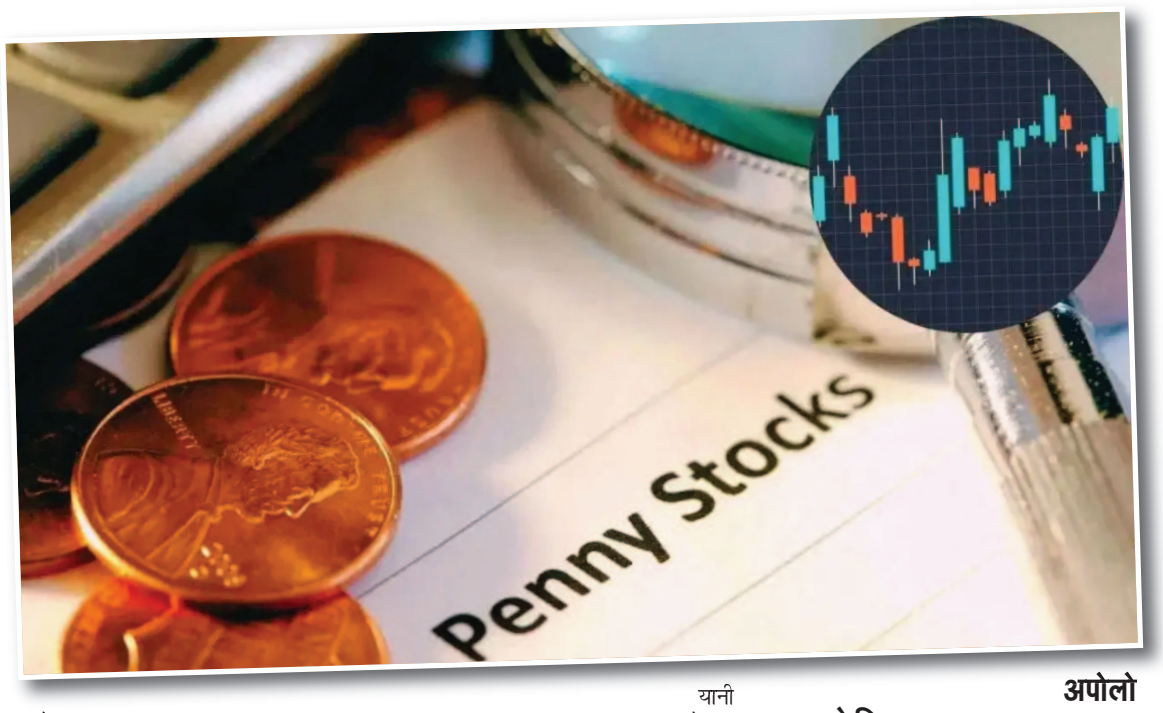

पैनी स्टॉक्स को शेयर बाजार का सबसे जोखिम भरा हिस्सा माना जाता है। इनमें लिक्विडिटी कम होती है, उतार-चढ़ाव ज्यादा रहता है और अक्सर सट्टेबाजी देखने को मिलती है। लेकिन पिछले पांच साल में कुछ छोटे और नजरअंदाज किए गए शेयरों ने निवेशकों को जबरदस्त रिटर्न दिया है। ETMarkets के आंकड़ों के मुताबिक, मई 2021 में 20 रुपए से कम कीमत वाले कई शेयर आज 3,000 करोड़ से 12,000 करोड़ रुपए तक की कंपनियां बन चुके हैं। रक्षा, रिन्यूएबल एनर्जी, रेलवे और इंफ्रास्ट्रक्चर जैसे सेक्टरों ने इन कंपनियों की ग्रोथ को बढ़ावा दिया।

डायमंड पावर इंफ्रास्ट्रक्चर

मई 2021 में इस कंपनी का शेयर सिर्फ 7 पैसे पर ट्रेड कर रहा था। पांच साल बाद इसकी कीमत करीब 167 रुपए पहुंच गई। यानी करीब 2,39,000% का उछाल। इसी दौरान कंपनी का मार्केट कैप 18.19 करोड़ रुपए से बढ़कर 8,819 करोड़ रुपए हो गया।

वारी रिन्यूएबल टेक्नोलॉजीज

मई 2021 में यह शेयर 13.93 रुपए पर था, जो अब 1,000 रुपए के ऊपर पहुंच चुका है। कंपनी ने निवेशकों को 70 गुना से ज्यादा रिटर्न दिया। सोलर सेक्टर में तेजी के चलते इसका मार्केट वैल्यू 145 करोड़ रुपए से बढ़कर 10,600 करोड़ रुपए से ज्यादा हो गया।

KPI ग्रीन एनर्जी

KPI Green Energy का शेयर पांच साल में 6.72 रुपए से बढ़कर 455.85 रुपए तक पहुंच गया। यानी करीब 6,700% की तेजी। कंपनी का मार्केट कैप 109 करोड़ रुपए से बढ़कर करीब 9,000 करोड़ रुपए हो गया।

अपोलो माइक्रो सिस्टम्स

डिफेंस इलेक्ट्रॉनिक्स सेक्टर की यह कंपनी 2021 में 10.68 रुपए पर थी, जो 2026 में 308.30 रुपए तक पहुंच गई। निवेशकों को करीब 29 गुना रिटर्न मिला। घरेलू रक्षा खरीद में बढ़ोतरी से कंपनी का मार्केट कैप 222 करोड़ रुपए से बढ़कर 11,000 करोड़ रुपए से ज्यादा हो गया।

जुपिटर वैगन्स

रेलवे उपकरण बनाने वाली यह कंपनी पांच साल में 16.65 रुपए से बढ़कर 296.70 रुपए तक पहुंच गई। शेयर ने करीब 18 गुना रिटर्न दिया। रेलवे इंफ्रास्ट्रक्चर पर बढ़ते खर्च से कंपनी का मार्केट कैप 149 करोड़ रुपए से बढ़कर 12,680 करोड़ रुपए हो गया।

अवांटेल

डिफेंस कम्युनिकेशन कंपनी Avantel का शेयर मई 2021 में 6.67 रुपए पर था, जो अब करीब 151.35 रुपए पहुंच गया है। यानी निवेशकों को 22 गुना से ज्यादा रिटर्न मिला। कंपनी का मार्केट कैप 171 करोड़ रुपए से बढ़कर 4,000 करोड़ रुपए से ज्यादा हो गया।

AGI इंफ्रा

पंजाब की रियल एस्टेट कंपनी AGI Infra का शेयर 7.16 रुपए से बढ़कर 367.10 रुपए तक पहुंच गया। कंपनी का मार्केट वैल्यू 87 करोड़ रुपए से बढ़कर 4,589 करोड़ रुपए हो गया। हाउसिंग डिमांड बढ़ने और प्रोजेक्ट्स तेजी से पूरे होने का फायदा कंपनी को मिला।

ट्रांसफॉर्मर्स एंड रेक्टिफायर्स इंडिया

पावर इक्विपमेंट बनाने वाली यह कंपनी पांच साल में 10.48 रुपए से बढ़कर 322.45 रुपए तक पहुंच गई। ट्रांसमिशन और पावर ग्रिड विस्तार से कंपनी का मार्केट कैप 278 करोड़ रुपए से बढ़कर 9,679 करोड़ रुपए हो गया।

लॉयड्स इंजीनियरिंग वर्क्स

मई 2021 में इस कंपनी का शेयर सिर्फ 1.45 रुपए था। आज इसकी कीमत करीब 59.66 रुपए है। यानी निवेशकों को 40 गुना से ज्यादा रिटर्न मिला। कंपनी का मार्केट कैप 154 करोड़ रुपए से बढ़कर 8,830 करोड़ रुपए हो गया।

नॉलेज मरीन एंड इंजीनियरिंग वर्क्स

मरीन इंफ्रास्ट्रक्चर सेक्टर की यह कंपनी पांच साल में 18.50 रुपए से बढ़कर 2,206.85 रुपए तक पहुंच गई। कंपनी का मार्केट कैप 38 करोड़ रुपए से बढ़कर 5,394 करोड़ रुपए हो गया। पोर्ट और ड्रेजिंग प्रोजेक्ट्स में मजबूत कामकाज से कंपनी को बड़ा फायदा मिला।

एलपीजी डिलीवरी के नए नियम की आड़ में ऐसे लुट रहे हैं लोग

नई दिल्ली ,11 मई । देशभर में रसोई गैस सिलेंडर की डिलीवरी को लेकर एक बड़ा बदलाव किया गया है, जिसके बारे में हर आम आदमी का जानना बेहद जरूरी है। अब एचपी गैस , इंडेन और भारत गैस जैसी प्रमुख कंपनियां ग्राहकों को सिलेंडर देने से पहले 'डिलीवरी ऑथेंटिकेशन कोड' की मांग कर रही हैं। यह नई व्यवस्था ग्राहकों की सुरक्षा और सही व्यक्ति तक डिलीवरी सुनिश्चित करने के लिए लागू की गई है। लेकिन इस नई सुरक्षा प्रणाली की आड़ में साइबर ठगों ने भी लोगों को लूटने का नया पैंतरा निकाल लिया है, जिसे लेकर गैस कंपनियों ने ग्राहकों के लिए एक बेहद सख्त अलर्ट जारी किया है।

क्या है सिलेंडर डिलीवरी का नया ष्ड्रष्ट सिस्टम?

डीएसी असल में एक तरह का सुरक्षा कोड या ओटीपी होता है। जब कोई ग्राहक अपना गैस सिलेंडर बुक करता है, तो उसके तुरंत बाद उसके रजिस्टर्ड मोबाइल नंबर पर यह खास कोड भेज दिया जाता है। इस सिस्टम के तहत, जब डिलीवरी बॉय गैस सिलेंडर लेकर आपके घर की दहलीज पर पहुंचता है, तभी आपको यह कोड उसके साथ साझा करना होता है। इस कोड के सही तरीके से मैच होने के बाद ही सिलेंडर की डिलीवरी पूरी मानी जाती है। इस पूरी प्रक्रिया का मुख्य उद्देश्य गैस सिलेंडर की कालाबाजारी और गलत डिलीवरी को रोकना है, ताकि सिलेंडर हमेशा सुरक्षित रूप से असली ग्राहक तक ही पहुंचे।

ठगों से बचने के लिए एचपी गैस ने दी सख्त चेतावनी

इस नए नियम के आते ही साइबर जालसाज भी सक्रिय हो गए हैं। एचपी गैस ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स के जरिए अपने करोड़ों ग्राहकों को सावधान रहने की हिदायत दी है। कंपनी ने बताया है कि कई शातिर ठग नकली एलपीजी डिलीवरी का मैसेज भेजकर लोगों से ओटीपी मांग कर उनके बैंक खाते खाली करने की फिराक में हैं। कंपनी ने स्पष्ट किया है कि असली मैसेज हमेशा आधिकारिक सेंडर आईडी से ही आता है, जिसमें डिलीवरी के समय इस्तेमाल होने वाला 4 अंकों का डीएसी कोड मौजूद होता है। एचपी गैस ने साफ शब्दों में कहा है कि उनका कोई भी कर्मचारी फोन कॉल, व्हाट्सएप या किसी भी अनजान लिंक के जरिए कभी भी ओटीपी की मांग नहीं करता है।

इंडेन और भारत गैस के ग्राहक भी रखें ये विशेष सावधानी

एचपी गैस की तरह ही इंडेन और भारत गैस ने भी अपने उपभोक्ताओं को सतर्क रहने की सलाह दी है। इंडेन के ग्राहकों को आने वाले आधिकारिक मैसेज आमतौर पर ड्ढ्य-ढ्ढह्रष्ठ्रह्रश्व या ड्ढरू-ढ्ढह्रष्ठ्रह्रश्व जैसी आईडी से प्राप्त होते हैं, जिनमें बुकिंग नंबर और डीएसी कोड दर्ज होता है। गैस कंपनियों ने ग्राहकों को यह गांठ बांध लेने को कहा है कि वे डीएसी या ओटीपी किसी भी अनजान फोन कॉल पर बिल्कुल शेयर न करें। यह कोड सिर्फ और सिर्फ तभी बताना है जब डिलीवरी बॉय सिलेंडर लेकर आपके सामने खड़ा हो। यदि आपके पास बिना बुकिंग के कोई मैसेज आता है या कोई लिंक भेजकर जल्दबाजी में जानकारी मांगी जाती है, तो तुरंत सावधान हो जाएं और ऐसे किसी भी संदिग्ध मैसेज को नजरअंदाज करते हुए सीधे अपनी गैस एजेंसी के आधिकारिक हेल्पलाइन नंबर पर संपर्क करें।

ट्रंप के दौरे से पहले यूएस का एक्शन, चीन को तेल बेच रही ईरान से जुड़ी 12 कंपनियां बैन

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका ने ईरान से जुड़े 12 लोगों और कंपनियों पर नए प्रतिबंध लगाए हैं। अमेरिका का कहना है कि ये लोग और कंपनियां ईरानी तेल को चीन तक पहुंचाने और बेचने में मदद कर रहे थे। यह कदम ऐसे समय उठाया गया है जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप 13 मई से चीन दौरे पर बीजिंग जाने वाले हैं। वहां उनकी मुलाकात चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग से होगी।

अमेरिकी ट्रेजरी विभाग ने सोमवार को कहा कि ईरान की इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स यानी IRGC तेल बेचने के लिए अलग-अलग देशों में मौजूद फर्जी या फ्रंट कंपनियों का इस्तेमाल करती है। इन कंपनियों के जरिए ईरान अपनी पहचान छिपाकर तेल बेचता है और उससे मिलने वाला पैसा अपनी सरकार और सैन्य गतिविधियों में इस्तेमाल करता है।

अमेरिका ने जिन पर कार्रवाई की है, उनमें ईरान के 3 लोग, हांगकांग और संयुक्त अरब अमीरात की 9 कंपनियां शामिल हैं। इन सभी की अमेरिका में मौजूद संपत्तियां अब फ्रीज कर दी जाएंगी। साथ ही अमेरिकी कंपनियां और नागरिक इनके साथ किसी भी तरह का व्यापार या लेनदेन नहीं कर पाएंगे। अमेरिका पहले से ही ईरान पर आर्थिक दबाव बढ़ा रहा है। वॉशिंगटन का कहना है कि वह ईरान को हथियार कार्यक्रम, परमाणु गतिविधियों और उसके समर्थित संगठनों के लिए पैसा जुटाने से रोकना चाहता है। अमेरिकी ट्रेजरी सचिव स्कॉट बेसेंट ने कहा कि इकोनॉमिक फ्यूरी अभियान के तहत ईरान पर लगातार आर्थिक दबाव बनाया जाएगा।

ट्रंप पर फायरिंग की घटना को अमेरिका के लोगों ने ही बताया फर्जी, सर्वे में सामने आए ये आंकड़े

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप पर हुए हमलों को लेकर लोगों के बीच बड़ा विवाद खड़ा हो गया है। एक नए सर्वे में सामने आया है कि कई अमेरिकी नागरिक मानते हैं कि ट्रंप पर हुए कुछ हमले फर्जी या पहले से प्लान किए गए हो सकते हैं। यह सर्वे NewsGuard और YouGov ने किया। इसमें 1,000 अमेरिकी लोगों से 28 अप्रैल से 4 मई के बीच सवाल पूछे गए। 11 मई को जारी रिपोर्ट में सामने आया कि लगभग हर तीन में से एक अमेरिकी मानता है कि ट्रंप पर हुए तीन हालिया हमलों में से कम से कम एक हमला फर्जी था।

सर्वे के मुताबिक, 25 अप्रैल को वॉशिंगटन डीसी में हुए व्हाइट हाउस कॉरेस्पोंडेंट्स डिनर के दौरान ट्रंप पर हुए हमले को 24% लोगों ने फर्जी बताया। वहीं 45% लोगों का मानना है कि हमला असली था। करीब 32% लोग ऐसे भी थे जिन्हें इस मामले को लेकर कोई साफ राय नहीं थी। यह कार्यक्रम वॉशिंगटन हिल्टन होटल में हुआ था। उस समय ट्रंप के साथ अमेरिका के उपराष्ट्रपति जेडी वेंस समेत कई बड़े नेता और अधिकारी मौजूद थे।

रिपब्लिकन और डेमोक्रेट्स के बीच बड़ा फर्क

सर्वे में राजनीतिक दलों के बीच बड़ा फर्क भी दिखा। करीब 33% डेमोक्रेट समर्थकों ने कहा कि हमला फर्जी था, जबकि रिपब्लिकन समर्थकों में सिर्फ 8% लोगों ने ऐसा माना। NewsGuard की संपादक सोफिया रुबिन्सन ने कहा कि यह सर्वे दिखाता है कि अमेरिका में लोग सरकार और मीडिया पर पहले की तुलना में कम भरोसा कर रहे हैं।

व्हाइट हाउस के प्रवक्ता डेविस इंगल ने इन दावों को गलत बताया। उन्होंने कहा कि जो लोग सोचते हैं कि ट्रंप ने खुद पर हमला करवाया, वे गलत हैं। 11 मई को सर्वे के रिजल्ट आए थे, इसी दिन इस मामले के आरोपी कोल टॉमस एलन ने अदालत में खुद को निर्दोष बताया था। उस पर राष्ट्रपति की हत्या की कोशिश और फेडकरल एजेंट्स पर हमला करने जैसे आरोप लगे हैं।

जुलाई 2024 में जानलेवा हमला हुआ था

सबसे बड़ा हमला जुलाई 2024 में पेंसिल्वेनिया के बटलर शहर में ट्रंप की चुनावी रैली के दौरान हुआ था। उस समय गोली ट्रंप के कान को छूते हुए निकल गई थी और एक व्यक्ति की मौत हो गई थी। FBI ने हमलावर की पहचान 20 साल के थॉमस मैथ्यू क्रूक्स के तौर पर की थी। बाद में सीक्रेट सर्विस ने उसे मार गिराया था। सर्वे के मुताबिक, 24% लोगों ने पेंसिल्वेनिया वाली घटना को भी फर्जी बताया। वहीं सितंबर 2024 में फ्लोरिडा के वेस्ट पाम बीच में ट्रंप के गोल्फ क्लब के पास हुई घटना को 16% लोगों ने फर्जी माना। रिपोर्ट में यह भी सामने आया कि 18 से 29 साल के युवा बाकी उम्र के लोगों की तुलना में ज्यादा मानते हैं कि ट्रंप पर हुए हमले पहले से प्लान किए गए थे।

कौन हैं कैलिफोर्निया की पूर्व मेयर एलीन वांग? चीन की एजेंट होने का आरोप कबूला

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के कैलिफोर्निया में चीन से जुड़ा एक बड़ा मामला सामने आया है। कैलिफोर्निया के आर्केडिया शहर की पूर्व मेयर एलीन वांग ने माना है कि उन्होंने चीन सरकार के लिए एजेंट के तौर काम किया। अमेरिकी अधिकारियों के मुताबिक, उन्होंने चीन के कहने पर अमेरिका में चीन के समर्थन में प्रचार किया। 58 साल की एलीन वांग आर्केडिया सिटी काउंसिल की सदस्य थीं। आर्केडिया शहर लॉस एंजिलिस के पास है और यहां बड़ी संख्या में चीनी मूल के लोग रहते हैं। शहर की आबादी 53,000 हजार है।

आरोप सामने आने के बाद उन्होंने सोमवार को अपने पद से इस्तीफा दे दिया। अगर अदालत उन्हें दोषी मानती है तो उन्हें अधिकतम 10 साल तक की जेल हो सकती है। अमेरिकी जांच एजेंसियों के मुताबिक, एलीन वांग ने 2020 से 2022 के बीच चीन सरकार के अधिकारियों के निर्देश पर काम किया। यह मामला ऐसे समय सामने आया है जब अमेरिका अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप 13 मई से चीन दौरे पर रहेंगे। यहां उनकी मुलाकात राष्ट्रपति शी जिनपिंग से होगी।

न्यूज वेबसाइट पर चीनी प्रोपेगेंडा चलाया

वांग ने अपने साथी याओनिंग माइक सन के साथ मिलकर US News Center नाम की वेबसाइट चलाई। यह वेबसाइट अमेरिका में रहने वाले चीनी समुदाय को ध्यान में रखकर बनाई गई थी। आरोप है कि इस वेबसाइट पर चीन सरकार के समर्थन वाले लेख और खबरें डाली जाती थीं। इनमें ऐसे लेख भी शामिल थे, जिनमें चीन के शिनजियांग इलाके में उइगर मुस्लिमों के साथ हो रहे कथित अत्याचार और जबरन मजदूरी के आरोपों को गलत बताया गया था।

अमेरिकी कानून के मुताबिक, अगर कोई व्यक्ति किसी विदेशी सरकार के लिए काम करता है तो उसे इसकी जानकारी अमेरिकी सरकार को देनी होती है। लेकिन जांच एजेंसियों का कहना है कि एलीन वांग ने ऐसा नहीं किया और गुप्त तरीके से चीन सरकार के निर्देश मानती रहीं। वांग पर अप्रैल में आरोप लगे थे।

FBI ने कार्रवाई की बात कही

अमेरिकी जांच एजेंसी FBI ने इस मामले को गंभीर बताया है। FBI अधिकारी रोमन रोजहाव्स्की ने कहा कि एलीन वांग ने खुद माना है कि वह चीन सरकार के हित में काम कर रही थीं। उन्होंने कहा कि अमेरिका में विदेशी सरकारों के लिए छिपकर काम करने वालों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। एलीन के सहयोगी याओनिंग सन पहले ही आरोप स्वीकार कर चुके हैं और उन्हें चार साल की जेल की सजा मिल चुकी है। वहीं जॉन चेन नाम के एक शख्स को भी चीन सरकार के एजेंट के तौर पर काम करने के मामले में सजा मिली है।

क्या यूएई भी जंग में उतरा? ईरान की रिफाइनरी पर किए थे सीक्रेट अटैक

तेहरान, एजेंसी। ईरान और अमेरिका-इजराइल के बीच चल रहे तनाव के बीच अब यूएई का नाम भी सामने आ रहा है। रिपोर्ट्स में दावा किया गया है कि यूएई ने चुपचाप ईरान पर सैन्य हमले किए हैं। वॉल स्ट्रीट जनरल की रिपोर्ट के मुताबिक, यूएई ने ईरान के लावान आइलैंड स्थित एक तेल रिफाइनरी पर हमला किया था। यह हमला अप्रैल की शुरुआत में हुआ, उसी समय जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप युद्धविराम की बात कर रहे थे।

इस हमले के बाद रिफाइनरी में बड़ी आग लग गई और उसका बड़ा हिस्सा कई महीनों के लिए बंद हो गया। उस समय ईरान ने कहा था कि उसकी रिफाइनरी पर दुश्मन ने हमला किया है। इसके जवाब में ईरान ने यूएई और कुवैत की तरफ मिसाइल और ड्रोन हमले किए थे। रिपोर्ट्स के अनुसार, अमेरिका इस हमले से नाराज नहीं था। कहा जा रहा है कि अमेरिका ने खामोशी से यूएई और दूसरे खाड़ी देशों की मदद का स्वागत किया।

यूएई ने हमले की पुष्टि नहीं की

अगर यह सही है, तो इसका मतलब होगा कि यूएई अब सीधे इस युद्ध में शामिल हो चुका है। हालांकि यूएई ने अब तक सार्वजनिक रूप से इन हमलों की पुष्टि नहीं की है। यूएई के विदेश मंत्रालय ने सिर्फ इतना कहा कि देश को अपने खिलाफ होने वाले हमलों का जवाब देने का अधिकार है, जिसमें सैन्य कार्रवाई भी शामिल हो सकती है। एक्सपर्ट्स का कहना है कि यह बहुत बड़ा बदलाव है, क्योंकि पहले खाड़ी देशों ने कहा था कि वे अपने एयरबेस और हवाई क्षेत्र का इस्तेमाल ईरान पर हमले के लिए नहीं होने देंगे। लेकिन युद्ध शुरू होने के बाद ईरान ने खाड़ी देशों पर भी हमले शुरू कर दिए। रिपोर्ट के मुताबिक, ईरान ने यूएई पर 2800 से ज्यादा मिसाइल और ड्रोन दागे। इससे एयरपोर्ट, ऊर्जा ठिकानों, पर्यटन और रियल एस्टेट कारोबार को भारी नुकसान पहुंचा।

यूएई ने यूएस को सैन्य सहयोग बढ़ाया

ईरान के लगातार हो रहे हमलों के बाद यूएई का रवैया बदल गया। अब वह ईरान को अपनी सुरक्षा और अर्थव्यवस्था के लिए बड़ा खतरा मान रहा है। यूएई ने अमेरिका के साथ सैन्य सहयोग भी बढ़ा दिया है। मार्च से ही यूएई की भूमिका को लेकर चर्चा शुरू हो गई थी। उस समय ईरान के ऊपर ऐसे लड़ाकू विमान देखे गए थे, जो न अमेरिकी थे और न इजराइली। कुछ रिसर्चर्स ने दावा किया कि वे फ्रांसीसी मिराज फाइटर जेट और चीनी विंग लूंग ड्रोन थे।

एक्शन में CM विजय, मंदिर-मस्जिद, स्कूल और बस स्टैंड के आसपास की शराब की दुकानें बंद करने का आदेश

कोलकाता, एजेंसी। पश्चिम बंगाल की तरह तमिलनाडु में भी नई सरकार अस्तित्व में आ गई है और आते ही सरकार एक्शन मूड में दिख रही है। राज्य के नए मुख्यमंत्री के तौर पर शपथ लेने के बाद अपने पहले बड़े प्रशासनिक फैसले में, जोसेफ विजय ने पूरे राज्य में पूजा स्थलों, शिक्षण संस्थानों और बस स्टैंड के पास चल रही 717 सरकारी शराब की दुकानों को बंद करने का आदेश जारी कर दिया।

जारी आदेश में आज मंगलवार को अधिकारियों को निर्देश दिया गया है कि वे अगले 2 हफ्तों के अंदर मंदिरों, मस्जिदों, चर्चों, स्कूलों, कॉलेजों और बस स्टैंड के 500 मीटर के दायरे में चल रही तमिलनाडु स्टेट मार्केटिंग कॉर्पोरेशन (TASMAC) की सभी शराब की दुकानों को बंद कर दें।

राज्य में 717 दुकानें होंगी बंद

तमिलनाडु सरकार के अनुसार, राज्य में फिलहाल TASMAC की कुल 4,765 शराब की दुकानें हैं। जिन 717 दुकानों को बंद करने के लिए चुना गया है, उनमें से 276 दुकानें पूजा स्थलों के पास, 186 शिक्षण संस्थानों के पास और 255 बस स्टैंड के पास स्थित हैं। शराब की दुकानों को बंद करने का यह कदम विजय का पद संभालने के कुछ ही घंटों के भीतर किया गया पहला बड़ा नीतिगत फैसला है, और नई सरकार इस फैसले को एक अहम सामाजिक सुधार उपाय के तौर पर पेश कर रही है। इसका मकसद संवेदनशील सार्वजनिक जगहों पर शराब की दुकानों को लेकर उठ रही चिंताओं को दूर करना है।

200 यूनिट फ्री बिजली की मंजूरी

इससे पहले एक्टर से नेता बने 51 साल के विजय ने रविवार को तमिलनाडु के मुख्यमंत्री के तौर पर शपथ ली। उनकी पार्टी, 'तमिलगा वेट्री कज़गम' (TVK) ने चुनावों में ऐतिहासिक जीत हासिल करते हुए राज्य की सबसे बड़ी पार्टी के तौर पर अपनी पहचान बनाई। हालांकि बहुमत से कम सीटें मिलने के बाद TVK ने कांग्रेस, वामपंथी दलों, VCK और मुस्लिम लीग के समर्थन से इतिहास में अपनी पहली गठबंधन सरकार बनाई। सीएम पद संभालने के बाद लिए गए मुख्यमंत्री की ओर से लिए गए कुछ अन्य अहम फैसलों में, विजय ने घरेलू उपभोक्ताओं के लिए 200 यूनिट फ्री बिजली देने की योजना को मंजूरी दी। उन्होंने महिलाओं की सुरक्षा के लिए एक विशेष बल के गठन को भी मंजूरी दी, साथ ही राज्य में कथित नशीले पदार्थों के बढ़ते खतरे से निपटने के अपने वादे को पूरा करते हुए हर जिले में नशा-विरोधी यूनिट्स स्थापित करने के फैसला लिया। हालांकि, शपथ लेने के बाद सीएम विजय ने जो सबसे अहम घोषणा की, उसमें उनका निशाना DMK थी। उन्होंने कहा कि 2021-2026 की अवधि के दौरान राज्य की वित्तीय स्थिति का ब्योरा देने वाला एक 'श्वेत पत्र' (White Paper) जारी किया जाएगा। अपने पहले संबोधन में उन्होंने कहा, "मुझे तमिलनाडु सरकार की मौजूदा स्थिति के बारे में आपको बताना है। राज्य पर 10 लाख करोड़ रुपये से ज्यादा का कर्ज हो गया है, और सरकारी खजाना पूरी तरह से खाली हो चुका है, जिस वजह से राज्य पर असहनीय बोझ आ गया है।"

'अग्निवीर को शहीद सैनिकों की तरह लाभ नहीं दिए जा सकते'

मुरली नायक की मां की याचिका पर केंद्र सरकार का हाई कोर्ट में जवाब

मुंबई, एजेंसी। क्या ड्यूटी के दौरान मारे गए अग्निवीर को अन्य शहीद सैनिकों की तरह उसके परिजनों को लाभ पाने का हक है, केंद्र सरकार ने बॉम्बे हाई कोर्ट को बताया कि सेवा लाभ के मामले में अग्निवीर और नियमित सैनिक एक समान स्तर पर नहीं हैं, इसलिए उन्हें मरणोपरांत पेंशन लाभ (Posthumous Pensionary Benefits) नहीं दिए जा सकते। एक याचिका के जवाब में केंद्र ने कहा कि यदि किसी अग्निवीर की सेवा के दौरान मृत्यु हो जाती है, तो उनका परिवार नियमित सैनिकों के समान पेंशन और अन्य लाभों का दावा नहीं कर सकता।

हाई कोर्ट में यह याचिका अग्निवीर मुरली नायक की मां ज्योतिबाई नायक ने दायर की थी। मुरली पिछले साल 9 मई, 2025 को 'ऑपरेशन सिंदूर' के दौरान शहीद हो गए थे। उन्होंने मांग की थी कि अग्निवीरों को भी उन नियमित सैनिकों के समान मरणोपरांत लाभ

(पेंशन और कल्याणकारी उपायों सहित) प्रदान किए जाएं, जो ड्यूटी के दौरान शहीद होते हैं।

ज्योतिबाई की याचिका में कहा गया था कि 'अग्निपथ योजना' अग्निवीरों और नियमित सैनिकों के बीच एक "मनमाना भेदभाव" पैदा करती है। अग्निवीरों को भी नियमित सैनिकों की तरह ही कई तरह की जोखिमों का सामना करना पड़ता है।

यह एक अल्पकालिक व्यवस्था : केंद्र

केंद्र ने अपने जवाब में कहा कि 'अग्निपथ योजना' एक अल्पकालिक व्यवस्था है, जिसे वर्तमान राष्ट्रीय आवश्यकताओं को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है। अग्निवीर नियमित सैनिकों के समान सुविधा पाने स्थिति में नहीं हैं। उन्हें एक निश्चित चार साल की अवधि के लिए नियुक्त किया जाता है। जबकि सशस्त्र बलों में पेंशन लाभ और अन्य भत्ते लंबी अवधि की सेवा से जुड़े होते हैं। जवाब में यह भी कहा गया, "दो अलग-अलग स्थितियों वाले वर्गों के लोगों के बीच कोई समानता नहीं हो सकती। यह वर्गीकरण और भेदभाव 'अग्निपथ योजना' के उद्देश्यों के साथ एक तार्किक संबंध रखता है, इसलिए, यह संविधान के अनुच्छेद 14 (समानता का अधिकार) के तहत संवैधानिक रूप से वैध है।"

इसमें आगे कहा गया कि इस योजना की सेवा शर्तों को स्वीकार करने के बाद, शहीद अग्निवीर की मां अब यह मांग नहीं कर सकतीं कि नियमित सैनिकों को मिलने वाले सेवा लाभ अग्निवीर श्रेणी पर भी पूर्वव्यापी रूप से लागू किए जाए।"

याचिकाकर्ता की गलत धारणा : केंद्र

केंद्र ने कहा, "अग्निवीरों और नियमित सैनिकों के बीच किया गया वर्गीकरण कुछ स्पष्ट आधारों (Intelligible Differentia) पर आधारित है, जिनमें सेवा की अवधि, नियुक्ति की प्रकृति और भर्ती की कई शर्तें शामिल होती हैं।

हाई कोर्ट से याचिका को खारिज करने की मांग करते हुए केंद्र ने कहा कि अग्निवीरों की भर्ती राष्ट्रीय सुरक्षा कारणों से लिया गया एक नीतिगत फैसला है, और ऐसे नीतिगत निर्णयों की न्यायिक समीक्षा सीमित होती है।"

केंद्र की ओर से दाखिल किए गए जवाब में यह भी कहा गया कि याचिकाकर्ता इस "गलत धारणा" में थीं कि अग्निवीर भी नियमित सैनिकों के समान पेंशन लाभों के हकदार हैं। जबकि इसमें कहा गया है कि किसी दिवंगत अग्निवीर के निकटतम परिजन को पारिवारिक पेंशन देने का कोई प्रावधान नहीं है।

जवाब में यह भी बताया गया कि मुरली नायक का अंतिम संस्कार पूरे सैनिक सम्मान के साथ किया गया, और उनकी मां को रेजिमेंट के कमांडिंग ऑफिसर से एक "हृदयस्पर्शी" शोक-पत्र दिया गया, जैसा कि नियमित सैनिकों के मामले में किया जाता है। उन्हें कुल 2.13 करोड़ रुपये का मुआवजा मिला।

मनी हाइस्ट फैंस के लिए बड़ी खुशखबरी, निर्माताओं ने वीडियो जारी कर किया धमाकेदार ऐलान

मनी हाइस्ट के चाहने वालों के लिए बड़ी खुशखबरी है। दरअसल, नेटफ्लिक्स ने साफ कर दिया है कि ये सुपरहिट शो अभी खत्म नहीं हुआ है। हाल ही में एक छोटा सा वीडियो (टीजर) जारी किया गया है, जिससे पता चलता है कि इस कहानी का अगला हिस्सा जल्द आने वाला है यानी प्रोफेसर और उनकी टीम एक बार फिर नए मिशन के साथ वापसी करने के लिए तैयार है।

हालांकि, ये साफ नहीं है कि कहानी सीजन 6 के रूप में आगे बढ़ेगी या किसी खास किरदार पर नई सीरीज आएगी। ये खबर इसलिए भी चर्चा में है, क्योंकि 15 मई को ही बर्लिन सीरीज का दूसरा सीजन रिलीज होने वाला है। नेटफ्लिक्स ने अचानक यूट्यूब पर एक वीडियो शेयर कर फैंस को हैरान कर दिया है। मनी हाइस्ट का आखिरी सीजन साल 2021 में आया था, जिसके बाद से फैंस इसके लौटने का इंतजार कर रहे हैं।

वीडियो की शुरुआत एक मैसेज से होती है, ये सब पैसों से शुरू हुआ और फिर सोने और खजानों तक जा पहुंचा। साथ ही इशारा है कि ये क्रांति अभी रुकी नहीं और अगला हिस्सा तैयार किया जा रहा है। डिस्क्रिप्शन में निर्माताओं ने बताया कि कुछ कहानियां एक सटीक हमले से शुरू होती हैं, लेकिन इस सीरीज ने सब बदल दिया। मनी हाइस्ट की कहानी नकद डकैती से शुरू होकर बैंक ऑफ स्पेन से सोना निकालने तक पहुंचती है।

एलेक्स पिना की बनाई मनी हाइस्ट की शुरुआत 2017 में स्पेनिश नेटवर्क से हुई थी, बाद में इसे नेटफ्लिक्स पर लाया गया। इस शो की कामयाबी को देखते हुए 2018 से 2021 तक इसके एक के बाद एक 5 सीजन रिलीज किए गए। इसी सीरीज ने दुनिया को प्रोफेसर के रूप में अल्वारो मोर्टे जैसे कलाकार से मिलवाया। भारत में भी मनी हाइस्ट को लेकर जबरदस्त दीवानगी है। यहां प्रोफेसर का किरदार और बेला चाओ गाना काफी लोकप्रिय है।

माधुरी दीक्षित और तृप्ति डिमरी की फिल्म मां बहन का फर्स्ट लुक आउट, नेटफ्लिक्स पर होगी रिलीज

बॉलीवुड एक्ट्रेस माधुरी दीक्षित पिछले कुछ समय से अपनी अपकमिंग फिल्म मां बहन को लेकर चर्चा में हैं। ये एक डार्क कॉमेडी ड्रामा फिल्म है, जिसका दर्शक बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। इस फिल्म में एक्ट्रेस तृप्ति डिमरी भी लीड रोल में नजर आएंगी। अब मदर्स डे को मौके पर फैंस को बड़ा सरप्राइज मिला है। दरअसल, फिल्म मां बहन का फर्स्ट लुक सामने आ गया है।

फिल्म मां बहन जल्द ही ओटीटी प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स पर दस्तक देने वाली है। फिलहाल इसकी रिलीज डेट अनाउंस नहीं हुई है। इस फिल्म में सोशल मीडिया स्टार धारणा दुर्गा भी अहम भूमिका निभा रही हैं। वहीं, दिग्गज एक्टर रवि किशन भी इस फिल्म का हिस्सा हैं। फिल्म मां बहन में माधुरी दीक्षित मां के किरदार में नजर आएंगी, वहीं धारणा और तृप्ति उनकी बेटियों का रोल प्ले करने वाली हैं।

नेटफ्लिक्स ने इंस्टाग्राम पर फिल्म मां बहन का वीडियो शेयर किया है, जिसमें धारणा, तृप्ति और माधुरी की झलक दिख रही है। तृप्ति और धारणा फिल्म में उनकी मां बनी माधुरी के बारे में बात करते दिख रही हैं। मेकर्स ने लिखा, मां के बारे में तो अब क्या ही कहें। मां बहन, जल्द आ रही है, केवल नेटफ्लिक्स पर। इस फिल्म के निर्देशक सुरेश त्रिवेणी हैं, जिन्हें साल 2017 में आई विद्या बालन की फिल्म तुम्हारी सुलु के लिए जाना जाता है।

फिल्म मां बहन एक कंजर्वेटिव मोहल्ले में रहने वाली मां और उनकी दो बेटियों की कहानी है, जो अपने किचन में मिली एक लाश को छिपाने की कोशिश करती हैं। इस दौरान उनकी जिंदगी में कई मजेदार और चौंकाने वाले मोड़ आते हैं, जो कहानी को और दिलचस्प बना देते हैं।

प्रभास की फौजी की रिलीज डेट लॉक्ड, दशहरा 2026 के मौके पर होगा बॉक्स ऑफिस पर धमाका

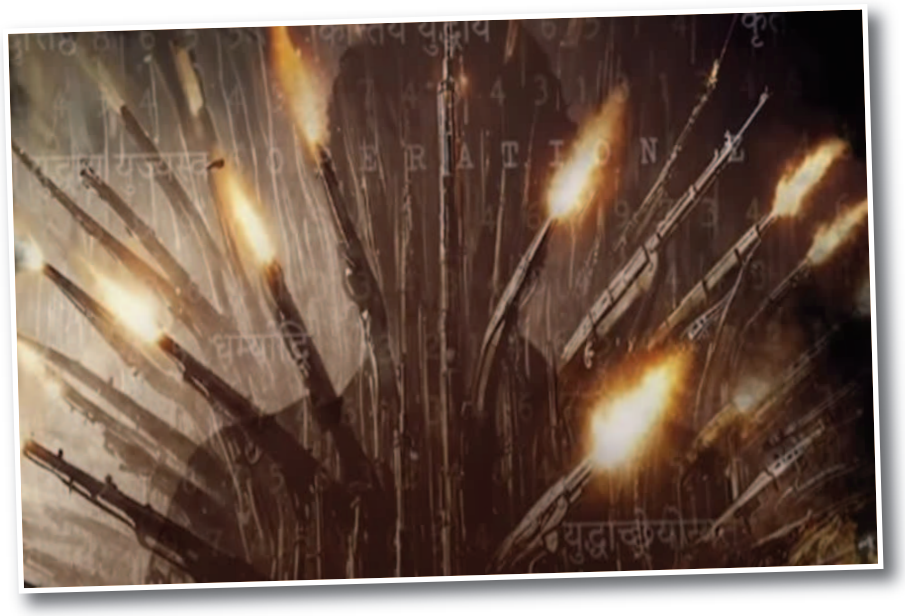

रेबल स्टार प्रभास एक बार फिर अपने प्रशंसकों को मंत्रमुग्ध करने के लिए तैयार हैं, बहुप्रतीक्षित अखिल भारतीय फिल्म फौजी के साथ, जिसका निर्देशन हनु राघवपुडी ने किया है। यह फिल्म गुलशन कुमार और भूषण कुमार के टी-सीरीज के साथ पेश की जा रही है और इसका निर्माण मैत्री मूवी मेकर्स के बैनर तले किया गया है।

फिल्म निर्माताओं ने आधिकारिक तौर पर पुष्टि की है कि फौजी 2026 में दशहरा उत्सव के दौरान बड़े पर्दे पर रिलीज होगी। फिल्म का पहला लुक पहले ही जारी किया जा चुका है और प्रशंसकों से इसे जबरदस्त प्रतिक्रिया मिली है।

टीम के अनुसार, फौजी की शूटिंग फिल्म पूरी होने तक बिना किसी रुकावट के जारी रहेगी। फिल्म को बेहतरीन प्रोडक्शन और विशेषज्ञ तकनीकी ज्ञान से सजी एक शानदार फिल्म बताया जा रहा है।

भाव और भव्यता दोनों को कुशलता से संभालने के लिए जाने जाने वाले हनु राघवपुडी यह सुनिश्चित करेंगे कि प्रभास एक बिल्कुल नए रूप में चमके। फिल्म में इमानवी नायिका के रूप में होंगी, साथ ही अनुपम खेर, मिथुन चक्रवर्ती, जयप्रदा और भानु चंदर जैसे दिग्गज कलाकार भी नजर आएंगे।

फौजी की तकनीकी टीम में उद्योग जगत के कुछ बेहतरीन लोग शामिल हैं। सुदीप चटर्जी सिनेमैटोग्राफी संभाल रहे हैं। विशाल चंद्रशेखर संगीत दे रहे हैं। अनिल विलास जाधव प्रोडक्शन डिजाइनर हैं और कोटागिरी वेंकटेश्वर राव फिल्म का संपादन कर रहे हैं।

गीत कृष्णकांत ने लिखे हैं, कोरियोग्राफी प्रेम रक्षित ने की है, वेशभूषा शीतल इकबाल शर्मा और टी विजय भास्कर ने डिजाइन की है, और विज़ुअल इफेक्ट्स आरसी कमला कन्नन ने तैयार किए हैं।

यह फिल्म तेलुगु, हिंदी, तमिल, कन्नड़, मलयालम और बंगाली भाषाओं में रिलीज होगी। नवीन येरनेनी और वाई रवि शंकर द्वारा निर्मित, सह-निर्माता शिव चानन और टी-सीरीज के अध्यक्ष नीरज कल्याण के साथ बनी फौजी को 2026 की सबसे बड़ी रिलीज में से एक माना जा रहा है।

फैंस अब अपने कैलेंडर में तारीख नोट कर सकते हैं और इस दशहरा पर प्रभास को इस हाई-ऑक्टेन, भव्य एक्शन-ड्रामा में देखने के लिए तैयार हो सकते हैं।

स्वामी, प्रकाशक व मुद्रक प्रभात पांडेय द्वारा साई ऑफसेट प्रिंटर्स 40, वासुदेव भवन कैसरबाग, लखनऊ (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित एवं 2/74, विक्रांत खंड, गोमती नगर, लखनऊ से प्रकाशित।
शाखा कार्यालय: S-15/109, सेक्टर -15, इंदिरा नगर, लखनऊ। समस्त लेख, रचनाओं एवं विज्ञापन में लेखन और विज्ञापनदाताओं के अपने विचार हैं। इसके लिए आर्यावर्त क्रांति की कोई जिम्मेदारी नहीं है। किसी भी विवाद की स्थिति में न्याय क्षेत्र लखनऊ, उत्तर प्रदेश ही होगा। RNI No: UPHIN/2014/57034 Website: aryavartkranti.com
*सम्पादक: प्रभात पांडेय सम्पर्क: 9839909595, 8765295384 Email: aryavartkrantidainik@gmail.com